डाक पंजीयन नं. 99/2021-23
E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.aadhuniksamachar.com

PG-8

PG-8

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमाः-शादी के दौरान हुई इस गलती ने मसाबा के लिए खड़ी की मुसीबत, एक्ट्रेस बोलीं- 'ये कोई मजाक नहीं है'

वर्ष -08 अंक -284 | प्रयागराज ,शनिवार, 04, फरवरी, 2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में चली गई आंखों की रोशनी, एक की मौत; दवा वापस लेने का ऐलान

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। अमेरिकी फूड एंड ड्रग प्रशासन (एफडीए) ने भारत में बने आई ड्राप के इस्तेमाल को लेकर आगाह किया है। एफडीए ने कहा कि भारतीय दवा कंपनी

की आई ड्राप का इस्तेमाल करने से अमेरिका के एक दर्जन राज्यों में कम से कम 55 लोग प्रभावित हुए हैं। कुछ लोगों की आंखे संक्रमित हो गई, रोशनी चली गई, जबकि एक की मौत भी हो गई है। चेन्नई की एक दवा कंपनी का उत्पादन बंद चेन्नई स्थित कंपनी ने दवा का उत्पादन बंद कर दिया है। अमेरिका ने एजरीकेयर आर्टिफिशियल टियर्स आई ड्राप को इस्तेमाल नहीं करने की सलाह दी है। यूएस सेंटर फार डिजीज कंट्रोल प्रिवेंशन (सीडीसी) चेन्नई स्थित ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर द्वारा बनाई गई एजरीकेयर आर्टिफिशियल टियर्स आई ड्राप्स की बंद बोतलों का परीक्षण कर रहा है।यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने कहा कि वह इन आई ड्राप के आयात पर प्रतिबंध लगाएंगे। एफडीए लोगों और डाक्टरों को संभावित बैक्टीरियल संक्रमण के कारण एजरीकेयर आर्टिफिशियल टीयर्स आई ड्राप्स का इस्तेमाल तुरंत बंद करने को कहा है। वहीं, आई ड्राप को लेकर सूत्रों ने बताया है कि सीडीएससीओ और तमिलनाडु ड्रग कंट्रोलर की टीमें चेन्नई के पास स्थित मैन्युफैक्चरिंग प्लांट जाएगी। यह एक कान्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग प्लांट है जो दूसरों के जरिए अमेरिकी बाजार में सप्लाई करता है। यह दवा भारत में नहीं बिकती है। ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर ने एक बयान जारी कर कहा कि कंपनी संभावित बैक्ट्रीरियल संक्रमण की वजह से एजरीकेयर, एलएलसी और डेलसम फार्मा की आर्टिफिशियल टीयर्स लुब्रिकेंट आई ड्राप्स को वापस ले रही है।

चीन हो या पाक, दोनों को धूल चटाने को तैयार भारत

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारतीय सेना बीते 5 सालों में काफी मजबूत हुई है। हो या थ्ध्ण्, दुशमन को माकूल जवाब देने के लिए सेना को भारत सरकार ने रक्षा उत्पादों का भारी जखीरा देने का काम किया है। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि भारत ने पिछले पांच वर्षों में अमेरिका, रूस, फ्रांस, इजरायल और स्पेन जैसे देशों से 1.9 लाख करोड़ रुपये के सैन्य (घ्ट्टीं अहिम घ्स्ज्दू) सामान खरीदे हैं। असॉल्ट राइफलें से लेकर रॉकेट तक खरीदे भारत ने विदेशों से सैन्य उत्पादों में हेलीकॉप्टर, रॉकेट, बंदूकें, असॉल्ट राइफल, विमान राडार, मिसाइल और गोला-बारूद खरीदे हैं। रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने शुक्रवार को लोकसभा में बताया कि भारत

ने 2017-2018 में सैन्य उपकरणों के लिए 264 सौदों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसमें से विदेशी विक्रेताओं के साथ 88 सौदे शामिल हैं।अज्य भट्ट ने बीते दिन बताया कि सरकार 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पर ध्यान दे रही है। उन्होंने बताया कि स्वदेशी रक्षा क्षमता को बढ़ाने और आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए कई पहल शुरू की गई है। इसके अलावा, कई मिसाइलों को बनाने का काम भी अब देश में हो रहा है। बता दें कि भारत दुनिया में सैन्य सामानों पर खर्चा करने वाले देशों की सूची में तीसरे स्थान पर है। सैन्य उत्पादों की खरीद में हम रूस और ब्रिटेन से भी आगे हैं, लेकिन चीन से काफी पीछे हैं। चीन का रक्षा बजट भारत से चार गुना और अमेरिका का 10 गुना है।

भाजपा नेता ने कांग्रेस के बजट को लेकर लगाए गए आरोपों पर किया कटाक्ष

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता नरेश बंसल ने शुक्रवार को केंद्रीय बजट में बेरोजगारी और महंगाई सहित महत्वपूर्ण मुद्दों को शामिल नहीं करने के कांग्रेस के आरोपों पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सिर्फ घड़ियाली आंसू बहा रही है। बंसल ने कहा कि उन्होंने (कांग्रेस) 70 साल से देश के लिए कुछ नहीं किया और अब घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। मीडिया से बात करते हुए भाजपा नेता ने कहा, ठइस तरह के मुद्दे सिर्फ बात करने से नहीं सुधरते, बल्कि समाधान की दिशा में काम करने से हल होते हैं।उन्होंने कहा, ठअकेले केंद्रीय बजट में प्रधानमंत्री आवास योजना में 66 फीसदी बढ़ोतरी, इंफ्रास्ट्रक्चर फंड में 33 फीसदी की बढ़ोतरी सहित कई अन्य प्रावधान शामिल हैं, जो रोजगार बढ़ाने में मदद करेंगे। हमने केंद्रीय

बजट में बेरोजगारी और मुद्रास्फीति के मुद्दों को हल करने के प्रावधान किए हैं।ठ अप्रासंगिक विषय उठा रही बीजेपी बंसल ने कांग्रेस नेता और लोकसभा सांसद अधीर रंजन चौधरी पर दूध की कीमतों में बढ़ोतरी पर अपनी टिप्पणी को लेकर भी जमकर निशाना साधा और कहा कि दूध की कीमत विशेष रूप से कांग्रेस शासन के दौरान बढ़ रही है। उन्होंने कहा, ठबीजेपी सरकार के सत्ता में आने से पहले पिछले 60 सालों से दूध की कीमतें बढ़ रही हैं। कांग्रेस को बजट में कोई कमी नहीं दिख रही है, इसलिए अप्रासंगिक विषयों को उठा रही है।ठउन्होंने कहा, ठवे जानते हैं कि मांग में वृद्धि और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि के कारण कीमतें बढ़ती हैं। भाजपा शासन के दौरान प्रति व्यक्ति आय में दो गुना वृद्धि हुई है।ठ आपको बताते चलें, गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्किटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ) ने शुक्रवार को अमूल पाउच दूध के सभी वेरिएंट में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है।

पीएम मोदी करेंगे 6 फरवरी को इंडिया एनर्जी वीक का उद्घाटन, कई देशों के प्रतिनिधि लेंगे हिस्सा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'इंडिया एनर्जी वीक' कार्यक्रम का उद्घाटन करने के लिए एक दिवसीय दौरे पर छह फरवरी को 2023 में 30 से ज्यादा ऊर्जा मंत्रियों, 50 सीईओ और 10,000 से ज्यादा प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। यह भारत को वैश्विक आर्थिक विकास का इंजन बनने एथेनॉल मिश्रण की शुरुआत की और नवंबर 2022 के लक्ष्य से पांच महीने पहले 10 प्रतिशत सम्मिश्रण हासिल किया। 20 प्रतिशत मिश्रण का मूल लक्ष्य

कर्नाटक आएंगे। इस दौरान पीएम मोदी कई अन्य कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे। पीएम मोदी 6 फरवरी को सुबह 10.55 बजे बेंगलुरु पहुंचेंगे और बेंगलुरु इंटरनेशनल एक्जीबिशन सेंटर (बीआईईसी) में इंडिया एनर्जी वीक का उद्घाटन करेंगे। पीएम मोदी करेंगे का शुभारंभ इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को बेंगलुरु में 20 इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का शुभारंभ करेंगे। इंडिया एनर्जी वीक और वैश्विक उपभोग के लिए एक चालक दोनों के रूप में काम करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करेगा, जो एक प्रेरक और निवेश-अनुकूल वातावरण और एक कुशल कार्यबल द्वारा समर्थित है।इसके अलावा पीएम मोदी एक स्वदेशी सौर-इलेक्ट्रिक कुकटॉप भी लॉन्च करेंगे, जो घरों में कम कार्बन, कम लागत वाले खाना पकाने का विकल्प प्रदान करेगा। एक अधिकारी ने कहा कहा कि हमने 2014 में 1.4 प्रतिशत 2030 था, हमने इसे 2025 और फिर 2023 तक संशोधित किया है। इंडिया एनर्जी वीक 2023 के दौरान 19 रणनीतिक सम्मेलन सत्रों का आयोजन किया जाएगा। जिसके माध्यम से विभिन्न देशों के ऊर्जा मंत्रियों, ऊर्जा कंपनियों के सीईओ/नेताओं के पैनलों द्वारा संपूर्ण ऊर्जा क्षेत्र को शामिल करने वाले मुद्दों के व्यापक पहलुओं पर चर्चा और विचार-विमर्श किया जाएगा।

मणिपुर के इंफाल में फैशन शो वैन्यू के पास बम धमाका जांच में जुटी पुलिस

(आधुनिक समाचार सेवा)
इंफाल। शनिवार की सुबह मणिपुर के इंफाल के पूर्वी जिले में एक फैशन शो स्थल पर एक विस्फोट हो गया। यह घटना पूर्वी इंफाल जिले के हप्ता कांगजीबुंग इलाके में हुआ है। कर दी है और अपराधी को पकड़ने के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। मामले की आगे की जांच चल रही है। अभी तक किसी उग्रवादी संगठन ने विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है।इससे एक

हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन इससे आसपास के लोगों में काफी दहशत फैल गया है। चीनी विस्फोटक होने की आशंका इंफाल पूर्व के एसपी महारबाम प्रदीप सिंह ने कहा कि विस्फोट शनिवार सुबह करीब छह बजे हुआ है। साथ ही उन्होंने बताया कि इसमें किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। उन्होंने कहा, ठहमें संदेह है कि जो ग्रेनेड घटनास्थल पर फटा है वह एक चीनी ग्रेनेड जैसा विस्फोटक उपकरण है।इस बीच, सुरक्षाकर्मियों ने इलाके की घेराबंदी महीने पहले जनवरी में भी एक भयानक बम विस्फोट हुआ था। यह धमाका इंफाल के नागामपाल कंगजाबी लाईकांगबम लीकाई इलाके में हुआ था। इस घटना का लाइव फुटेज सामने आया था जिसमें दो संदिग्धों को बाइक पर आते देखा गया था। इन संदिग्धों ने ही बन रखा जो आधी रात को ब्लास्ट हुआ था। इस ब्लास्ट में किसी के मृत्यु की सूचना नहीं मिली थी, लेकिन घटनास्थल के आसपास के घरों के खिड़की-दरवाजों के शीशे टूट गए थे। इस धमाके की आवाज इंफाल में कई दूर तक सुनाई दी थी।

राहुल गांधी के करीबी से ईडी ने की पूछताछ, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कस सकता है शिकंजा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता साकेत गोखले को चंदा के माध्यम से एकत्र किए गए धन के कथित दुरुपयोग के मामले में हाल ही में गिरफ्तार किया था। अब इसी है, और वह उनकी रिसर्च टीम का नेतृत्व भी करते थे।ईडी ने 35 साल के साकेत गोखले को 25 जनवरी को गिरफ्तार करने के बाद अलंकार सवाई को तलब किया था, जब वह क्राउड फंडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम

संबंध में प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के करीबी अलंकार सवाई से पूछताछ की और उनका बयान दर्ज किया है। कांग्रेस के बेहद करीबी हैं सवाई प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि अलंकार सवाई से पूछताछ की गई है। साथ ही साथ इस सप्ताह की शुरुआत में तीन दिन अहमदाबाद में सवाई का गोखले से आमना-सामना कराया गया था। वह एक पूर्व बैंकर हैं। सवाई को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का करीबी सहयोगी माना जाता से धन जुटाने के आरोप में गुजरात पुलिस की हिरासत में था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गोखले की रिमांड मांगते हुए अहमदाबाद की एक अदालत को सूचित किया था। ईडी ने उस दौरान गोखले से उनके बैंक खाते में एक साल में नकद में जमा कराए गए 23.54 लाख रुपये के बारे में पूछताछ की थी। गोखले ने एजेंसी को बताया था कि यह पैसे सोशल मीडिया कार्य और अन्य परामर्श के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अलंकार सवाई द्वारा नकद में दिए गए थे।

एक मिनट में बुक होंगे 2.25 लाख रेल टिकट, तीन वर्ष के भीतर सभी पुरानी ट्रेनों के कोच को बदला जाएगा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने दो दशक पहले रोड सेक्टर को सुधारने का अभियान शुरू किया था। अब नरेन्द्र मोदी सरकार ने रेल सेक्टर को पटरी पर लाने का बीड़ा उठाया है। बजट में रेलवे को राशि बड़ी मिली है तो काम भी बड़े-बड़े होने हैं। यह विश्व का पहला रेलवे होगा, जिसका टिकट बुकिंग और कंट्रोलिंग सिस्टम 5जी तकनीक पर आधारित होगा। आनलाइन टिकट के व्यवधानों को देखते हुए इसकी क्षमता में दस गुना वृद्धि की जानी है। अभी प्रति मिनट 25 हजार टिकट बनते हैं, जिसे बढ़ाकर 2.25 लाख करना है। पूछताछ की क्षमता को प्रति मिनट चार लाख से बढ़ाकर 40 लाख करने की तैयारी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को प्रेस कान्फ्रेंस में बजट के प्रविधानों और रेलवे के आधुनिकीकरण की तैयारियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि रेलवे की योजना यात्री आरक्षण प्रबंधन को बेहतर करने की है। टिकट बुकिंग पर बड़ा शोध हुआ है, जिसके बाद टिकट लेना आसान हो जाएगा। हमारा जोर रेलवे के कायांतरण

पर है। अगले तीस वर्षों की ट्रैफिक को ध्यान में रखकर काम किया जा रहा है। यात्री सुविधा को ध्यान में रखकर तीन वर्षों के भीतर सभी पुरानी ट्रेनों के कोच बदले जाएंगे। अभी ढाई सौ ट्रेनों के कोच बदल दिए गए हैं। अगले वर्ष 325 ट्रेनों के कोचों को राजधानी के समतुल्य कोच से बदल दिया जाएगा। दिसंबर 2024 तक कवच का 5जी वर्जन भी आ जाएगा। रेल मंत्री ने कहा कि स्वदेशी तकनीक से विकसित वंदे भारत ट्रेनों के अगले संस्करण को घरेलू जरूरतों के साथ ही निर्यात को भी ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है। हम अगले तीन वर्षों में ही हम इस ट्रेन के बड़े निर्यातक बन जाएंगे। अभी इसके कलपुर्जों में यूरोप के देशों ने रुचि ली है। सारे स्लीपर कोच के उसी तरह बनाया जा रहा है। हाइड्रोजन ट्रेनें भी इसी वर्ष दिसंबर तक चलने लग जाएंगी। प्रधानमंत्री मोदी की सोच को आगे बढ़ाते हुए रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं में वृद्धि की तैयारी है। इसके लिए देशभर के दो हजार रेलवे स्टेशनों पर जन सुविधा केंद्र खोले जाएंगे, जहां दैनिक आवश्यकता के सभी सामान मिल सकें। इसका आवंटन स्थानीय स्तर पर किया जाएगा। वन स्टेशन वन प्रोडक्ट योजना के अंतर्गत अब तक 550 स्टेशनों पर 594 स्टाल लगाए जा चुके हैं।

पहल की बड़ी सफलता, भारतीय वायुसेना को मिलेंगे नए परिवहन विमान

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। मेक इन इंडिया' पहल के तहत भारतीय वायुसेना ने एक व्यापक बदलाव की शुरुआत की है। इस समय मिसाइल, फील्ड गन, टैंक, विमान वाहक, ड्रोन,

मध्यम परिवहन विमान प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरू की है। देश में जल्द ही इसका मेन्युफेक्चरर किया जाएगा। आईएएफ ने 3 जनवरी को कहा कि परिवहन विमान की विभिन्न भूमिकाओं के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले एमटीए की कार्गो ले जाने की क्षमता 18 से 30 टन के बीच होगी। मेक इन इंडिया के जरिए देश ने अपने रक्षा क्षेत्र में लड़ाकू विमान, टैंक और हेलीकॉप्टर जैसे विभिन्न रक्षा प्लेटफार्मों के घरेलू निर्माण के लिए कई परियोजनाएं चल रही हैं। इन परियोजनाओं के जरिए भारतीय सशस्त्र बलों की रक्षा आधुनिकीकरण की जरूरतों को पूरा किया जा रहा है। आगे की जानकारी की प्रतिक्षा है।

कलयुगी बेटे की करतूत; मां को जिंदा जलाया पिता को दे रहा जान से मारने की धमकी

(आधुनिक समाचार सेवा)
बेंगलुरु। बेंगलुरू में हॉलीवुड फिल्म 'ऑर्फन' से मिलती-जुलती एक घटना सामने आई है। दरअसल, बेंगलुरु में एक दंपती ने एक अनाथ पत्नी के बच्चे नहीं थे, इसलिए उन्होंने आरोपी को गोद लिया था।हालांकि, कुछ समय बाद आरोपी उत्तम कुमार ने अपने माता-पिता का अनादर करना शुरू कर दिया उनके पास पांच घर है जिसमें किराएदार रहते हैं, इनका बेटा चाहता है कि किराए के पैसे उसे दिए जाए। जब मंजूनाथ ने ऐसा करने से इनकार कर दिया, तो

बच्चे को गोद लिया था, उस बच्चे ने अपनी मां को ही आग के हवाले कर दिया और अब पिता को भी जान से मारने की धमकी दे रहा है। इस बात की जानकारी स्थानीय पुलिस द्वारा दी गई है। फिलहाल, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान उत्तम कुमार के तौर पर की गई है। पुलिस के मुताबिक, मंजूनाथ और उसकी और उनसे नफरत भी करने लगा था। पुलिस ने बताया कि आरोपी उत्तम कुमार ने साल 2018 में ही अपनी दत्तक मां को आग में जिंदा जला दिया था, जिसके लिए उसे गिरफ्तार किया गया था, लेकिन रिहा होने के बाद उसने अपने पिता को जान से मारने की धमकी देना शुरू कर दिया था। पीड़ित पिता मंजूनाथ ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने उन्हें जान से मारने की धमकी देना शुरू कर दिया। पुलिस ने यह भी कहा कि आरोपी किरायेदारों के पास गया और उन्हें हथियार दिखाकर धमकी दी कि वे किराया सिर्फ उसे ही दिया करें। जब पुलिस उसे गिरफ्तार करने गई तो उसने ड्रामा शुरू हो गया। सदाशिवनगर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

ग्राम सभा भैरावां कड़ा में चौपाल के माध्यम से समस्याओं का निस्तारण

(आधुनिक समाचार सेवा)
कौशाम्बी। दिनांक 03/02/2023 दिन शुक्रवार को ग्राम सभा भैरावां में पवन जैसवाल ए डी ओ (एग्रीकल्चर) पंचायत कड़ा, अनिल मिश्रा ए डी ओ (कोप्रेटिव) कड़ा, क्षेत्रीय लेखपाल राजेंद्र कुमार, राहुल सिंह ग्राम विकाश अधिकारी, ग्राम प्रधान गोपी मौर्या, दीपक कुमार माले शिक्षा विभाग,संजय कुमार पशुपालन विभाग,संयम सिंह कृषि विभाग, आनंद कुमार ऑपरेटर सहित अन्य सभी पदस्थ कर्मचारी गण एवं ग्राम वासियों की चौपाल लगाई गई। इस चौपाल में सभी ग्राम वासियों की समस्याओं का निस्तारण किया गया। जिसमे ग्राम वासियों ने आवास,राशन कार्ड,पेंशन एवं किसान सम्मान निधि समेत अन्य तमाम समस्याओं से अवगत कराया जिसमे कुछ का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया परंतु जिनका निस्तारण नहीं हो पाया उन्हें ये आश्वासन दिया गया की जल्द उनकी समस्या का समाधान किया जाएगा।

ग्राम सभा की जमीन पर हो रहे अवैध निर्माण की शिकायत एस डी एम सिराथू से करने पर भी नही हुई कार्यवाही

(आधुनिक समाचार सेवा)
कौशाम्बी। ग्राम सभा टांडा तहसील सिराथू कौशाम्बी का मामला प्रकाश

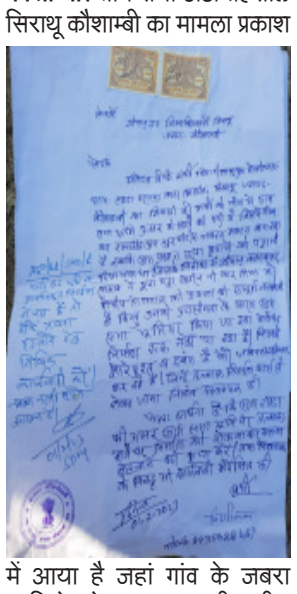

में आया है जहां गांव के जबरा प्रवृति के लोग ग्राम सभा की जमीन पर कब्जा करने की दृष्टि से पिलर बनाए जा रहे हैं जिसकी शिकायत बीते दिनों ग्राम वासियों ने एस डी एम सिराथू को लिखित पत्र के माध्यम से दी थी जिसमे एस डी एम सिराथू ने संबंधित लेखपाल और एस एच ओ को आदेशित किया की यदि ग्राम सभा की भूमि पर अनाधिकृत निर्माण हो रहा है तो रोंक कर हटवाने का कार्य करें।तथा नजरी नक्शा के साथ में आख्या दें। वहीं वहीं आवेदकों का कहना है कि सही नाप न करके आज पुनः निर्माण कार्य शुरू करा दिया गया। जबकि वहीं दूसरे तरफ कुछ लोगों का कहना है कि उसी रकबे में जिनकी भूमि है उन्हे हकबंदी दायर करने के बावजूद उनकी भूमि नही निकली जा रही। जबकि संबंधित लेखपाल से बात की गई तो उन्होंने कहा कि मैंने आख्या लगाकर रिपोर्ट एस डी एम साहब को सौप दी है।बाकी आज की स्थिति के बारे में नही पता।

घर में खून से सने मिले पति पत्नी, दोनों के हाथों में थे चाक

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। प्रयागराज में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां पति-पत्नी खून से सने घर में मिले। हैरानी की बात यह है कि दोनों के हाथों में चाकू था और दोनों खून से लथपथ थे। पुलिस प्रथम दृष्टया मान रही है कि दोनों झगड़े के बाद एक दूसरे पर हमला किया है। पुलिस को पड़ोसियों ने बताया कि मक्खन बागवानी करके अपने परिवार का भरण पोषण करता है। परिवार में उसकी पत्नी सुमन और तीन बच्चे हैं। तीनों बच्चों में लड़की की शादी हो चुकी है। वहीं एक बेटा शिवम और दूसरा बेटा विवेक मजदूरी करते हैं। दोनों बेटे काम पर गए थे। पड़ोसियों ने बताया कि घर से लड़ाई झगड़े की आवाज आई तो वह जब घर में पहुंचे तो दोनों पति पत्नी खून से सने पड़े थे। दोनों को अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। लोगों का कहना है कि मक्खन अपनी पत्नी पर शक करता था। इसी को लेकर दोनों में झगड़ा होता रहता था।

किलाघाट के पास पलटी नाव, बाल-बाल बचे यात्री

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। शुक्रवार को सुबह गंगा के किले घाट के पास नाव पलटने से हड़कंप मच गया। नाव में बैठी सवारी पानी में गिरने के बाद चिल्लाने लगी, आसपास खड़े नाविकों ने कूदकर तुरंत सभी लोगों को बचाकर सही सलामत बाहर निकाल लिया। पास में लगी जल पुलिस तत्परता दिखाते हुए सभी लोगों को नाव में बैठा कर उनका इलाज शुरू कर दिया। बता दें शुक्रवार की सुबह संगम स्नान करने राजस्थान से आए लोग नाव में बैठकर वापस घाट की ओर आ रहे थे जैसे ही किले घाट के पास बनी जेटी के पास नाव पहुंची तभी उसका संतुलन बिगड़ गया और नाव पलट गई। नाव में बैठे महिला-पुरुष 4 फीट पानी में गिर पड़े। इस घटना से आसपास हड़कम्प मच गया। चीख पुकार होते ही नाविकों और जल पुलिस ने पानी में कूदकर सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन का 150 स्थापना दिवस आज, सीएम योगी करेंगे उद्घाटन

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। हाईकोर्ट परिसर में आयोजित कार्यक्रम के लिए व्यापक इंतजाम कर दिए गए हैं। सीएम के कार्यक्रम को देखते हुए हाईकोर्ट की ट्रैफिक व्यवस्था को डायवर्ट कर दिया गया है। सारे वाहनों को पोलो ग्राउंड पर खड़ा किया जाएगा। सीएम बम्हरौली एयरपोर्ट से कार द्वारा शाम को चार बजे हाईकोर्ट पहुंचेंगे। यहां एक घंटे तक कार्यक्रम में शामिल रहेंगे। इस दौरान वह पूर्व राज्यपाल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता रहे स्व. केसरीनाथ त्रिपाठी, स्व. आरपी गोयल, स्व. एससी बुधवार तैल चित्र के साथ ही हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के संशोधित बाईलॉज का भी अनावरण करेंगे। कार्यक्रम में मथुरा के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की जाएगी।

बोर्ड परीक्षा को नकलविहीन एवं शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न करायें-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रतापगढ़।उत्तर प्रदेश शासन एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग की मंशा के अनुरूप माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज द्वारा संचालित बोर्ड परीक्षा- 2023 को नकलविहीन, शुचितापूर्ण एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिये जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में राजकीय इण्टर कालेज में समस्त केन्द्र व्यवस्थापकों एवं वाह्य केन्द्र व्यवस्थापकों की एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि बोर्ड परीक्षा में किसी दोषी को बख्शा नही जायेगा उसके विरूद्ध कठोर से कठोर कार्रवाई की जायेगी। उन्होने निर्देशित किया कि बोर्ड परीक्षा को नकलविहीन, शांतिपूर्ण एवं शुचिता पूर्ण ढंग से सम्पन्न करायें तथा बोर्ड परीक्षा को महोत्सव के रूप में मनायें। उन्होने सभी सम्बन्धित को निर्देशित किया कि अपनी जिम्मेदारियों का अच्छे से निर्वहन करें, लापरवाही कदापि न बरतें। उन्होने निर्देशित किया कि किसी भी छात्र/छात्रा को बेवजह परेशान नहीं किया जायेगा और शिकायत मिलने पर दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जाये। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने केन्द्र व्यवस्थापक को समुचित सुरक्षा का भरोसा दिलाया और कहा कि पर्याप्त संख्या में पुलिस बल सभी केन्द्रों पर तैनात रहेगें, किसी भी शरारती तत्व को केन्द्र के पास पहुँचने नहीं दिया जायेगा, एसटीएफ एवं एलआईयू व अन्य टीमें लगातार क्रियाशील रहेंगी और शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई करेगें। जनपद में नकल विहीन और सुरक्षित ढंग से परीक्षा को सम्पन्न कराने में पुलिस विभाग अपना पूरा सहयोग प्रदान करेगा। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक डा0 ओ0पी0 राय ने परीक्षा के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की।उन्होंने कहा कि जनपद के सभी केन्द्रों की आनलाइन मानीटरिंग मुख्यमंत्री कार्यालय, डीजी एवं विभाग द्वारा लगातार की जायेगी और उसकी के आधार पर नकल की स्थिति में कार्रवाई तत्काल सुनिश्चित की जायेगी। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने राजकीय इण्टर कालेज में बनाये गये कन्ट्रोल रूम का निरीक्षण किया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस अवसर पर सह जिला विद्यालय निरीक्षक एसपी द्विवेदी, राजकीय इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य राजकुमार सिंह सहित डा0 मोहम्मद अनीस, प्रमोद कुमार तिवारी, डा0 विन्ध्याचल सिंह, डा0 राघवेन्द्र पाण्डेय, सीबी सिंह, नरेन्द्र बहादुर सिंह, गरिमा श्रीवास्तव, कुसुम मौर्य, पूजा पटेल, ललिता पटेल, डा0 रूचि पाण्डेय एवं सभी केन्द्र व्यवस्थापक एवं वाह्य केन्द्र व्यवस्थापक व अन्य सम्बन्धित उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संतोष मिश्रा ने किया।

थाना जार्जटाउन पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। थाना जार्जटाउन में पंजीकृत मु0अ0सं0- 204/2021 धारा- 411/413/414/419/420/467/468/471 भा0दं0वि0 के वांछित अभियुक्त सौरभ पाण्डेय उर्फ जार्डन पुत्र श्री ओम प्रकाश पाण्डेय निवासी ग्राम हथिगवां थाना हथिगवां जनपद प्रतापगढ़ को थाना जार्जटाउन पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर थाना क्षेत्र सिविल लाइन से गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरणः- सौरभ पाण्डेय उर्फ जार्डन पुत्र श्री ओम प्रकाश निवासी ग्राम हथिगवां थाना हथिगवां जनपद प्रतापगढ़, उम्र लगभग 22 वर्ष **आपराधिक इतिहासः-**1. मु0अ0सं0- 218/2016 धारा- 147/307/336/342 ध्ण् थाना कर्नलगंज, कमिश्नरेट प्रयागराज2. मु0अ0सं0- 204/2021 धारा- 411/413/414/419/420/467/468/471 थाना जार्जटाउन, कमिश्नरेट प्रयागराज 3. मु0अ0सं0- 74/2022 धारा- 147/148/149/323/384/394/452/504/506 थाना कर्नलगंज, कमिश्नरेट प्रयागराज । 4. मु0अ0सं0- 37/2023 धारा- 352/323/504 ध्ण् थाना सिविल लाइन, कमिश्नरेट प्रयागराज ।**गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीमः-** 1. थानाध्यक्ष धीरेन्द्र सिंह थाना जार्जटाउन, कमिश्नरेट प्रयागराज । 2. उ0नि0 अमित कुमार थाना जार्जटाउन, कमिश्नरेट प्रयागराज । 3. का0 सुमित यादव थाना जार्जटाउन, कमिश्नरेट प्रयागराज । 4. का0 संजय चौहान थाना जार्जटाउन, कमिश्नरेट प्रयागराज ।

डीसीएम में जिंदा और मृत गाय लावारिस हालत में छोड़ फरार हुए गोतस्कर, पशु चिकित्सक कर रहे जांच

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। थरवई में डेरा गदाई गांव के करीब हाईवे पर एक डीसीएम में जिंदा और मृत गाय छोड़कर गोतस्कर फरार हो गए। यह देख ग्रामीणों में खलबली मच गई। पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचकर छानबीन कर रहे हैं। आशंका जताई गई है कि कई गाय को मौत होने के कारण डीसीएम को लावारिस हालत में छोड़ा गया है। बताया गया कि हंडिया कोखराज हाइवे पर शनिवार सुबह एक खड़ी डीसीएम देखी गई, उसके भीतर 15 मरी हुई सात जीवित गाय मिली। यह देख ग्रामीण परेशान हो गए। कुछ देर बाद डीसीपी गंगानगर अभिषेक अग्रवाल, एसीपी जंग बहादुर यादव मौके पर पहुंच गए। पूछताछ में ग्रामीणों ने बताया कि डीसीएम खड़ी थी और उसमे कोई सवार नही था। गाय की मौत का कारण पता लगाने के लिए पशु चिकित्सक को बुलाया गया है। एसीपी का कहना है की डीसीएम के नंबर के अनुसार उसके बारे में पता लगाया जा रहा है।

प्रयागराज से काशी तक चलेगी वंदे भारत मेट्रो, कुछ ही मिनटों में पूरा हो जाएगा सफर- मिलेंगी ये सुविधाएं

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। रेल बजट पर प्रयागवासियों की निगाहे टिकी थीं। उम्मीद के मुताबिक संगम नगरी को बड़ा उपहार मिला है। प्रयागराज से वाराणसी के लिए वंदे भारत मेट्रो चलेगी। 10 कोच की यह ट्रेन तेज यात्रियों को सुगम सफर का आनंद देगी। 125-130 किमी की गति से चलने वाली इस ट्रेन से प्रयाग-काशी की दूरी कुछ मिनटों में ही सिमट जाएगी ये मिलेंगी सुविधाएं नवीनतम तकनीक, हाईटेक सुविधाएं, पूर्णतः वातानुकूलित और वाईफाई से लैस यह ट्रेन वंदे भारत का ही मिनी रूप है। प्रतिदिन यात्रा करने वालों के बीच की दूरी तय हो जाए। यह ट्रेन यूपी के कई अन्य शहरों को भी मिलेगी, जिसमें लखनऊ से कानपुर के लिए प्रथम चरण में ही व्यवस्था होगी एक फरवरी को संसद में पेश हुए आम बजट के बाद उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) को क्या मिला है, इसकी स्थिति साफ हो गई है। रेल मंत्रालय द्वारा पिंक बुक जारी की गई है। एनसीआर को इस बार लगभग 92 अरब रुपये एनसीआर को का बजट मिला है। इस बजट से ही अब एनसीआर विभिन्न कार्य कराएगा। काफी समय से अधर में लटके फ्लाई ओवर, स्टेशन प्रयागराज जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, ग्वालियर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास भी शामिल है। इसी तरह से प्रयागराज, आगरा, झांसी मंडल में अमृत रेलवे स्टेशन के तहत 46 स्टेशनों का भी पुनर्विकास होगा। एनसीआर के तीनों जोन में रेल ट्रैक नवीनीकरण के साथ ही गाजियाबाद से पीडीडीयू तक कवच प्रणाली का कार्य कराया जाएगा। वहीं मिशन रफ्तार के तहत 160 किमी की रफ्तार से ट्रेन चलाने के लिए दिल्ली-हावड़ा, दिल्ली-मुंबई रूट पर दीवार बनाने और रूट पर मेटल बीम फेंसिंग का कार्य भी तेज गति से होगा। शुक्रवार को पिंक बुक

की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस ट्रेन का खाका तैयार किया गया है। कम समय में लोग ऑफिस या जरूरी काम के लिए आ-जा सकेंगे और ट्रैफिक में फंसने की समस्या भी नहीं होगी। काशी विश्वनाथ का दर्शन करने वालों और प्रयाग-काशी के बीच पर्यटन को इस ट्रेन से बढ़ावा मिलेगा।कुंभ के आयोजन से प्रयागराज को विश्व भर में ख्याती मिली है। ऐसे में प्रयागराज को सौगात में मिली यह विशेष ट्रेन विदेशी यात्रियों को भी भाएगी। 10 कोच की वंदे भारत मेट्रो प्रयागराज से 100 किमी की दूरी वाले शहर को जोड़ने के लिए चलाई जाएगी। तैयारी है कि एक घंटे से भी कम समय में दो शहरों पुनर्विकास के लिए दस-दस लाख रुपए मिले हैं, जिससे अब इनके कार्य में तेजी आएगी। देश के अन्य राज्यों में से यूपी को सबसे ज्यादा 175.07 अरब रुपये मिले हैं, जिसमें से 91.83 अरब रुपये सिर्फ एनसीआर के खाते में आए हैं। इस रुपये से ट्रैक दोहरी करण, तीसरी लाइन, चौथी लाइन के साथ आधारभूत संरचना पर व्यापक काम होगा। सड़क संरक्षा और रेल ओवर ब्रिज व रेल अंडर ब्रिज निर्माण के कार्य को अब दोगुनी रफ्तार दी जाएगी। जबकि सिग्नलिंग, लेवल क्रासिंग व ट्रैक नवीनीकरण को प्राथमिक अंब्रैला वर्क में रखा जाएगा। एनसीआर के खाते में कई महत्वपूर्ण कार्य जुड़ गए हैं। इसमें और रेलवे बजट पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कांफ्रेसिंग में जानकारी साझा की। हर राज्यों को धन आवंटन की जानकारी देते हुए यूपीए सरकार से तुलना करते नजर आए। दिल्ली को बजट देने के साथ उन्होंने बिना अरविंद केजरीवाल का नाम लिए उन पर निशाना भी साधा कि वह भी इस बजट को देख लें कि कितना ज्यादा पैसा दिया गया है। उन्होंने हिमाचल, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर आदि को दिए गए बजट पर भी जानकारी दी। आगामी चुनाव के देखते हुए इस बार बजट में यूपी को प्राथमिकता दी गई।

काशी शब्दोत्सव' में आएंगे राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और मनोज मुंतशिर

10 से 12 फरवरी तक आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। के सिगरा स्थित रुद्राक्ष इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में 10 से 12 फरवरी तक काशी शब्दोत्सव का आयोजन होगा। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, प्रख्यात गीतकार व वक्ता मनोज मुंतशिर समेत कई सम्मानित हस्तियों की उपस्थिति होगी। धर्म, कला और संस्कृति की नगरी वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय काशी शब्दोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य भारतीय ज्ञान, धर्म, संस्कृति और परंपरा की प्रासंगिकता को स्थानीय स्तर से लेकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में समझना है। विश्व संवाद केंद्र काशी (काशी प्रांत) के तत्वावधान में रुद्राक्ष इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में 10 से 12 फरवरी तक काशी शब्दोत्सव का आयोजन होगा।केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, प्रख्यात गीतकार व वक्ता मनोज मुंतशिर, चाणक्य धारावाहिक के विख्यात प्रस्तोता डा.चंद्रप्रकाश द्विवेदी समेत कई दिग्गज हस्तियां कार्यक्रम में शामिल होंगे। शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूर्वी उ.प्र. क्षेत्र के सह क्षेत्र प्रचार प्रमुख मनोज कांत ने प्रेस वार्ता में बताया कि यह आयोजन वैचारिक चिंतन-मंथन के माध्यम से देश और दुनिया के बौद्धिक समाज को अमृत प्रदान करने वाला होगा। कहा कि काशी शब्दोत्सव काशी की परंपरा का आयोजन है। काशीवासियों का आयोजन है। यह ज्ञान और भक्ति पद्धतियों का आयोजन है। काशी शब्दोत्सव के माध्यम से हम देश-विदेश के लेखकों, विचारकों को इस आयोजन में लाने का प्रयास कर रहे हैं। प्रयास होगा कि काशी शब्दोत्सव में सभी भाषा-भाषी क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व हो। काशी के विद्वानों के साथ-साथ देश के नागरिकों में भारतीय ज्ञान परपंरा में रुचि रखने वाले लोग काशी शब्दोत्सव आयोजन के साक्षी बनेंगे। भारत में आयोजित जी-20 सम्मेलन के बैठक के मद्देनजर हम वसुधैव कुटुंबकम को ध्यान में रख कूटनीतिक संवाद का विषय बना रहे हैं। हमारा प्रयास है कि यह सारा संवाद सकारात्मक एवं रचनात्मक दृष्टि उत्पन्न करने वाला बने। जिससे भारतीय समाज और विश्व को हमारे मूल तत्वज्ञान के साथ ही व्यावहारिक ज्ञान का बोध कराया जा सके। काशी शब्दोत्सव में देश के शब्दधर्मी, उत्सवधर्मी लोकप्रिय एवं सम्मानित हस्तियों की उपस्थिति होगी। तीन दिन तक पुस्तक मेला काशी शब्दोत्सव में शास्त्र और लोक, पुरातन और अद्यतन, परंपरा और विज्ञान, योग और अध्यात्म का समन्वय होगा। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास नई दिल्ली की ओर से पुस्तक मेला भी आयोजित होगा। वाराणसी एवं आसपास जनपदों के शैक्षिक परिसरों के छात्र-छात्राओं एवं अध्यापक अध्यापिकाओं को जोड़ने का निरंतर प्रयास चल रहा।

हिंदू संगठनों ने स्वामी प्रसाद मौर्य के पुतले को लगाई फांसी

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। भाजपा जिला उपाध्यक्ष हरिवंश मिश्रा का कहना है कि सपा नेता ने हिंदू और सनातन धर्म का अपमान किया है। उनके द्वारा जिस भाषा का प्रयोग किया गया है वह दुर्भाग्यपूर्ण है। वहीं कुछ नेताओं द्वारा राम चरित मानस की प्रतियां जलाना और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य के जनता ने पिछले वर्ष वे विधानसभा चुनाव में नकार दिया था। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान को लेकर हिंदू संगठनों में रोष व्याप्त है। शुक्रवार को हिंदू धर्म और धर्मगुरूओं, रामचरितमानस पर विवादित टिप्पणी को लेकर भाजपा, हिंदू जागरण मंच, विश्व हिंदू महासंघ के नेताओं ने कलेक्ट्रेट पर स्वामी प्रसाद मौर्य के पुतले को फांसी लगाते हुए पुतले का दहन किया। साथ ही पवित्र ग्रंथ के अपमान पर स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ राष्ट्रदोह के तहत कार्रवाई करने की मांग की भाजपा जिला उपाध्यक्ष हरिवंश मिश्रा का कहना है कि सपा नेता ने हिंदू और सनातन धर्म का अपमान किया है। उनके द्वारा जिस भाषा का प्रयोग किया गया है वह दुर्भाग्यपूर्ण है। वहीं कुछ नेताओं द्वारा राम चरित मानस की प्रतियां जलाना और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य के जनता ने पिछले वर्ष के विधानसभा चुनाव में नकार दिया था। अपना अस्तित्व बचाने के लिए उन्होंने जिस प्रकार से हिंदू धर्म की आस्था के केंद्र राम चरित मानस के खिलाफ अपशब्द बोला है उससे जनमानस आहत है।लेकिन सबसे बड़ी बात तो यह है कि अखिलेश यादव को जिस स्वामी प्रसाद मौर्य पर कार्रवाई करनी चाहिए थी उन्होंने उन्हे इनाम के तौर पर पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव बना दिया।इस दौरान हिंदू महासंघ के अरूण सिंह साधू सहित काफी संख्या हिंदू संगठनों के लोग उपस्थित थे।

पत्रकारिता विभाग में संगोष्ठी में बोले प्रो. केजी सुरेश

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। बीएचयू में मुख्य वक्ता माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केजी सुरेश ने कहा कि स्कूलों और विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में मीडिया साक्षरता को शामिल करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मीडिया शिक्षा और मीडिया साक्षरता में फर्क है। वर्तमान में हर किसी के हाथ में मोबाइल है। जिससे बिना सोर्स के अबाध सूचनाओं का प्रवाह हो रहा है। इस कारण मिस इंफार्मेशन और डिस-इंफार्मेशन बढ़ रही हैं। डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्रा ने सनातन चिंतन के साथ मीडिया अध्ययन को आज की आवश्यकता बताया। इस दौरान डॉ. शोभना नर्लिकर, डॉ. बाला लखेंद्र, डॉ. धीरेंद्र राय, डॉ. निधि आदि मौजूद रहीं।

विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में मीडिया साक्षरता को शामिल करने की जरूरत है।बीएचयू के पत्रकारिता एवं जनसंप्रेषण विभाग में शब्द संवाद के तहत आयोजित संगोष्ठी में मीडिया साक्षरता विषय पर चर्चा की गई। मुख्य वक्ता माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केजी सुरेश ने कहा कि स्कूलों और

पीएम के संसदीय क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा निवेश

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। कोलकाता की कंपनी इन्वेस्ट करेगी सात हजार करोड़मुंबई की कंपनी इंडियन कारपोरेशन ने भी जिले में एक हजार करोड़ रुपये निवेश करने का फैसला किया है। एमओयू पर हुए हस्ताक्षर के मुताबिक, यह कंपनी वेयर हाउस व लॉजिस्टिक पार्क बनाएगी। भारतीय हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (भेल) ने भी 500 करोड़ रुपये निवेश के प्रस्ताव दिए हैं कोलकाता की कंपनी वाराणसी में सात हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इसके लिए उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) व कंपनी के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हो गए हैं। कंपनी ने निजी इंडस्ट्रियल टाउनशिप विकसित करने का प्रस्ताव दिया है। मुंबई की कंपनी इंडियन कारपोरेशन ने भी जिले में एक टाउनशिप विकसित करने में रुचि दिखाई है। यूपीसीडा के क्षेत्रीय प्रबंधक आशीष नाथ ने बताया कि नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के साथ ही उत्पादन क्षेत्र नई ऊंचाइयों को छुएगा। इससे रोजगार बढ़ेगा। प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से युवाओं व लोगों को रोजगार मिलेगा। निवेश की प्रक्रिया हर जिले में चल रही है। वाराणसी के अलग-अलग विभाग मिलकर काम कर रहे हैं। यूपीसीडा को अब तक 10 हजार करोड़ रुपये निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। कोलकाता की कंपनी ने सर्वाधिक सात हजार करोड़ रुपये निवेश करने का प्रस्ताव दिया है। और भी कंपनियां आगे आई हैं।

प्रमाणपत्रों के सत्यापन के लिए युवाओं के पास आखिरी मौका

(आधुनिक समाचार सेवा)

आजमगढ।जान लें ये बातेंसेना भर्ती कार्यालय के निदेशक ऋषि दुबे ने बताया कि सभी युवाओं के डीएम ऑफिस से प्रमाणपत्रों के सत्यापन के बाद सोमवार को प्रमाणपत्रों की फिर से जांच की जाएगी। इसके बाद अभ्यर्थियों को नई रिपोर्टिंग की तारीख बताई जाएगी। अग्निवीर भर्ती में उत्तीर्ण 554 युवाओं को गुरुवार को छावनी स्थित सेनाभर्ती कार्यालय बुलाया गया था। इसमें 385 युवा सेना भर्ती कार्यालय पहुंचे। इस दौरान युवाओं के प्रमाणपत्रों की जांच की गई और उन्हें डीएम ऑफिस से प्रमाणपत्र के सत्यापन कराने का निर्देश दिया। वहीं जो युवा बृहस्पतिवार को नहीं पहुंचे उन्हें शुक्रवार तक का मौका दिया गया है। सेना भर्ती कार्यालय के निदेशक ऋषि दुबे ने बताया कि सभी युवाओं के डीएम ऑफिस से प्रमाणपत्रों के सत्यापन के बाद सोमवार को प्रमाणपत्रों की फिर से जांच की जाएगी। इसके बाद अभ्यर्थियों को नई रिपोर्टिंग की तारीख बताई जाएगी।

अमूल दूध के बढ़े दामों पर लोगों ने दी तीखी प्रतिक्रिया

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। अमूल दूध के बढ़े दामों पर लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। ज्ञानपुर निवासी विशाल मालवीय ने बताया कि वे अपने घर अक्सर अमूल गोल्ड दूध ले जाते हैं, क्योंकि यादव बंधुओं से दूध लेने पर कई बार मिलावट की शिकायत मिलती है। ऐसे में अमूल पैकेट का दूध भरोसेमंद और अच्छा भी होता है, लेकिन अब दाम बढ़ने से कहीं न कहीं इसका असर पड़ेगा और खर्च भी बढ़ेगा।बजट पेश होने के एक दिन बाद ही अमूल ने दूध के दामों में बढ़ोत्तरी कर दी है। पहले से ही महंगाई की मार झेल रही जनता को अमूल दूध के दामों में हुई वृद्धि से एक और झटका लगा है। अमूल से दूध के दाम तीन रुपये तक बढ़ाए गए हैं। जिससे आम आदमी के जेब पर मार पड़ेगी। बढ़ी हुई कीमतों के मुताबिक अब अमूल गोल्ड 66 रुपये प्रति लीटर, अमूल ताजा की कीमत 54 रुपये प्रति लीटर, अमूल गाय का दूध 56 और अमूल ए2 भैंस के दूध की कीमत 70 रुपये प्रति लीटर हो गई है। अमूल दूध के बढ़े दामों पर भदोही के लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। ज्ञानपुर निवासी विशाल मालवीय ने बताया कि वे अपने घर अक्सर अमूल गोल्ड दूध ले जाते हैं, क्योंकि यादव बंधुओं से दूध लेने पर कई बार मिलावट की शिकायत मिलती है। ऐसे में अमूल पैकेट का दूध भरोसेमंद और अच्छा भी होता है, लेकिन अब दाम बढ़ने से कहीं न कहीं इसका असर पड़ेगा और खर्च भी बढ़ेगा। हम लोग पहले से ही महंगाई से परेशान थे, अब अमूल दूध की के दाम बढ़ने से दोहरी मार पड़ी है। सेमपुर निवासी चाय विक्रेता दीपक पांडेय का कहना है कि अमूल ने दूध के दामों में तीन रुपये तक बढ़ोत्तरी की है।

सीधे प्रवेश

100% Placement

15% Fee Concession

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

(पहले आओ पहले पाओ)

❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर

❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

- कम्प्युटर आपरेटर (कोपा)
- डेटा इंट्री आपरेटर
- फायर सेफ्टी
- कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग
- इलेक्ट्रीशियन
- सीएनसी प्रोग्रामिगं
- इलेक्टिक मैकैनिक
- फिटर
- वेल्डर
- सीसीए
- रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
- सिक्योरिटी सर्विस
- बेसिक कम्प्युटर
- कम्प्युटर हाडवेयर

Apply Online: www.nainitti.com | Mail us at – info@nainitti.com

प्रवेश हेल्पलाइन नं0

8081180306 , 9415608710 , 8103021873

⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

गुरु गोरक्षनाथ के नाम पर हुआ था गोरखनाथ मोहल्ले का नामकरण

(आधुनिक समाचार सेवा)

गोरखपुर। बहुत पहले बिखरे हुए गांव का समूह था। यह धीरे-धीरे विकसित होकर नगर बन गया। नगर बनने के बाद सुविधा और पहचान की दृष्टि से इसे कई मोहल्लों में विभक्त किया गया। अलग-अलग मोहल्लों को भिन्न-भिन्न नामों से जाना पहचाना जाता है गोरखपुर नगर के उत्तरी भाग को गोरखनाथ मोहल्ले के नाम से जाना जाता है। इसे पुराना गोरखपुर कहा जाता है और यह मोहल्ला सबसे पुराना भी है। कहा जाता है कि बंगाल नरेश देव पाल के शासनकाल (810-850 ई.) में हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा नामक स्थान से गुरु गोरक्षनाथ यहां आए थे।उस वक्त यह क्षेत्र घने जंगलों से भरा हुआ था। राप्ती नदी उस समय वर्तमान गोरखनाथ मंदिर के उत्तर से बहती थी। गोरखनाथ जी को यह स्थान पसंद आया और उन्होंने इसे अपने तपस्थली बना ली। उनके तप और तेज के प्रभाव से इस नगर को उनके नाम से जाना जाने लगा।उनके नाम की प्रसिद्धि से पहले इसे राम ग्राम और पिप्पलीवन नाम से जाना जाता था। लोक विश्वास है कि मंदिर परिषद में जो अखंड धूनी जलती रहती है उनके वक्त की है। उस धूनी के सटे दक्षिण में पहले एक साधारण सा मंदिर होता था। उसी स्थान पर बाद में वर्तमान भव्य मंदिर का निर्माण हुआ।गोरखनाथ मोहल्लों में मुगलों के शासन काल में मुस्लिम आबादी का अधिवास हुआ। मंदिर के प्रायः हर तरफ सघन मुस्लिम आबादी है। रसूलपुर और दशहरी बाग तो उन्हीं से आबाद है। इन मोहल्लों में पहले करघा यानी हैंडलूम का बड़ा कारोबार होता था, जो अब कमजोर पड़ गया है।आजादी के बाद इस मोहल्ले में सिंधी नागरिकों का शरणार्थियों के रूप में आगमन हुआ। आज यहां विजयनगरम के नाम से व्यवस्थित बड़ी कॉलोनी है। गोरखनाथ मंदिर के महंत योगी आदित्यनाथ के उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने के बाद से गोरखपुर जनपद की भांति गोरखनाथ मंदिर और गोरखनाथ मोहल्ला दोनों ने अपनी राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय पहचान बना ली है।

चोपन रमाकांत अस्पताल व अल्ट्रा साउंड सेन्टर के कमरे सील

(आधुनिक समाचार सेवा)
चोपन/सोनभद्र। थाना चोपन अंतर्गत चर्चित रमाकांत अस्पताल में लगातार जिला प्रशासन को मिल रही शिकायत के क्रम में आज मुख्य चिकित्सा अधिकारी सोनभद्र के निर्देश में डाक्टर गुरु प्रसाद नोडल अधिकारी निजी चिकित्सालय/पंजीयन झोलाझाप द्वारा प्रीतनगर

चोपन में चल रहे अल्ट्रा साउंड केंद्र पर मौके पर रेडियोलॉजिस्ट नही मिले जहा एक्सरे कमरा,अल्ट्रा साउंड कमरा सील किया गया उसके बाद नोडल अधिकारी ने रमाकांत अस्पताल पर भी छापा मारा जहा पर जांच अधिकारी ने घंटों रुककर देखा जहा मौके पर बिना मान्यता के पैथलाजी, एक्सरे मशीन,ऑपरेशन कक्ष व तमाम खामियां देखने को मिला साथ ही अस्पताल का पंजीकरण भी समया अवधि समाप्त मिला मौके पर मौजूद डाक्टर द्वारा बीते दिनों 1 व्यक्ति का मृत्यु प्रमाण पत्र भी जारी किया गया था जांच अधिकारी द्वारा मौके पर अस्पताल के 3 कमरे भी सील किया गया दोनों मामले में नोटिस देकर स्पष्टीकरण मांगा गया हैं उचित जवाब ना मिलने पर होगी कार्यवाही उम्मीद है।लगातार नोडल अधिकारी के ऊपर भी अवैध अस्पतालों से वसूली की भी चर्चाएं मिलती रहती हैं।

प्रधानाचार्य एव शिक्षिका के द्वारा बच्चो के साथ दुर्व्यवहार करने को लेकर दी गई सख्त चेतावनी

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। ओबरा क्षेत्रान्तर्गत एक अभिभावक द्वारा थाना ओबरा पर लिखित तहरीर देकर शिकायत की गयी कि थाना ओबरा में स्थित स्कूल के विद्यायल प्रबन्धन एवं प्रधानाचार्य द्वारा मेरे पुत्र के साथ दुर्व्यवहार किया गया। उक्त प्रकरण में उच्चधिकारीगण द्वारा प्राप्त दिशा-निर्देश के क्रम मे थाना ओबरा पुलिस द्वारा थाना ओबरा पर दोनो पक्षों को बुलाकर प्रकरण के सम्बन्ध में वार्ता कर दोनो पक्षों की सहमित पत्र प्राप्त कर प्रभारी निरीक्षक ओबरा द्वारा विद्यालय प्रबन्धन, प्रधानाचार्य एवं शिक्षिका को भविष्य में पुनरावृत्ति ना हो कड़ी चेतावनी दी गयी ।

एक दिवसीय जागरुकता शिवरी का आयोजन 4 फरवरी को होगा

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी सोनभद्र विनोद कुमार श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा शिक्षित बेरोजगार नवयुवको/युवतियों को एवं स्वरोजगार में रुचि रखने वाले क्रियासील व्यक्तियों को उद्योग की स्थापना कर रोजगार सृंजन बढाने के उददेश्य से एक दिवसीय जागरुकता शिविर का आयोजन 04 फरवरी 2023 को शाम काल 02 बजे जिला ग्रामोद्योग कार्यालय रावर्ट्सगंज सोनभद्र में किया जाना है इच्छुक लाभार्थीगण से जागरुकता शिविर कार्यक्रम में भाग लेकर लाभ ले सकते हैं।

मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि 7 फरवरी से 2023 से 16 फरवरी 2023

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। सहायक निदेशक मत्स्य पारस सिंह ने अवगत कराया है कि मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना वर्ष 22-23 के लिए मत्स्यकी परियोजना के अंतर्गत मनरेगा कन्वर्जेंस अथवा पट्टाधारक द्वारा स्वयं अथवा अन्य विभागों के माध्यम से सुधारे गए ग्राम सभा के पट्टे के तालाब में प्रथम वर्ष निवेश हेतु अनुदान एवं मनरेगा कन्वर्जंस अथवा पट्टा धारक द्वारा स्वयं अथवा अन्य विभागों के माध्यम से सुधारे गए ग्राम सभा के पट्टे के तालाबों में मत्स्य बीज बैंक की स्थापना हेतु अनुदान के लिए इच्छुक पट्टे धारक जिन्हें पट्टे की न्यूनतम आवाज 4 वर्ष अवशेष हो विभागीय ऑनलाइन पोर्टल पर दिनांक 7 फरवरी 2023 से दिनांक 16 फरवरी 2023 तक आवेदन कर सकते हैं, आवेदन करते समय आवेदक को अपना फोटो, आधार कार्ड, पट्टा अभिलेख, हस्ताक्षरित शपथ पत्र, बैंक खाता विवरण इन सभी को अपलोड करना अनिवार्य होगा

नक्सली कमांडर मुन्ना विश्वकर्मा व लालव्रत कोल को उम्रकैद की सजा

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। मांची व कोन थाना क्षेत्र में 15-16 वर्ष पूर्व मेठ जयराम वादी व उदय प्रताप कनौजिया की गला काटकर नृशंस हत्या करने के मामले में विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट एहसानुल्लाह खान की अदालत ने शुक्रवार को दोषसिद्ध पाकर नक्सली मुन्ना विश्वकर्मा व लालव्रत कोल को उम्रकैद व अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड न देने पर 3- 3 वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से एक लाख रुपये मृतक

उदय प्रताप कनौजिया की पत्नी लीलावती को मिलेगी। दोनों नक्सलियों को वङ्का वाहन से नैनी व जौनपुर जेल से लाया गया था। अभियोजन पक्ष के मुताबिक मांची थाना क्षेत्र के चिचलिक गांव निवासी मैनेजर वादी ने 11 जुलाई 2006 को दी तहरीर दी कि उसका भाई जयराम वादी चौरा से खोडैला के रास्ते पर मेठ का काम करता था। 9 जुलाई 2006 को घर से काम पर गया था।

तकनीकी शिक्षा एवं डिप्लोमा की तैयारी हेतु विशेष कोचिंग सेंटर का शुभारंभ किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनपरा (सोनभद्र)। हिंडालको रेनूसागर पावर डिवीजन के अध्यक्ष ऊर्जा के पी यादव व मानव संसाधन प्रमुख शैलेश विक्रम सिंह के दिशा निर्देशन में द्वारा चलाए जा रहे ग्रामीण विकास विभाग कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीण विकास विभाग द्वारा ग्राम गरबंधा में तकनीकी शिक्षा एवं डिप्लोमा की तैयारी हेतु विशेष कोचिंग सेंटर का शुभारंभ किया गया। सर्व प्रथम रेनूसागर पावर डिवीजन के अधिकारियों द्वारा मां सरस्वती की विधिवत पूजा अर्चना की गई इस अवसर पर उपस्थित इलेक्ट्रिक विभाग के प्रमुख सुदिप्ता नायक ने विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पूर्ण निष्ठा व लगन से किया गया कोई भी कार्य सदैव सफलता की ओर ले जाता है, इससे अवश्य ही सफलता मिलती है यह विशेष कोचिंग एक नई पहल है जिसके माध्यम से आप अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर सकते हैं ग्रामीण विकास विभाग के प्रभारी अनिल झा ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें तकनीकी शिक्षा के साथ डिप्लोमा की प्रवेश परीक्षा की तैयारी कराना और उन्हें एक नई दिशा की ओर अग्रसर करना इनका प्रमुख उद्देश्य है, इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस केंद्र का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व प्रधान मुन्ना जायसवाल व रामसिंह ने हिंडालको रेनूसागर की इस पहल को नेक कार्य बताते हुए इसकी सराहना की पूर्व प्रधान राम सिंह ने कहा कि यह कोचिंग सेंटर जहां

एक ओर सभी बच्चों को पढ़ने में सहयोग करेगा वहीं दूसरी ओर आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए मददगार सिद्ध होगा इस अवसर पर उपस्थित रेनूसागर के इ आर विभाग के प्रमुख परेश ढोले ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया साथ ही साथ उपस्थित आदित्य बिरला इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य आरसी पांडे ने विद्यार्थियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि सच्चे परिश्रम से ही मंजिल को प्राप्त किया जा सकता है, उन्होंने विद्यार्थियों को आश्वासन दिया कि आवश्यकता पड़ने पर विद्यालय द्वारा भी सहयोग किया जाएग। इस अवसर पर ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी गण कोचिंग सेंटर के प्रशिक्षक आनंद मिश्रा व काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

पैसो के लिए बेच देते है अपने मासूम बच्चो को खरीदने वाली टीम का हुआ पर्दाफाश पुलिस ने किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। प्रोवेशन अधिकारी राजेश कुमार खैरवार के आदेश

पर सुश्री गायत्री दूबे संरक्षण अधिकारी रोमी पाठक गैर सांस्थानिक संरक्षण अधिकारी, सुधीर कुमार शर्मा परामर्श दाता जिला बाल संरक्षण इकाई सोनभद्र व उपनिरीक्षक ओमप्रकाश सिंह बाल कल्याण पुलिस अधिकारी थाना वीजपुर मय पुलिस टीम के साथ थाना बीजपुर क्षेत्र से एक नवजात शिशु करीब ढाई माह जिसे उसके माता-पिता द्वारा 45000हजार रुपया लेकर दिनांक 21/11/2022को तीन दलालों के माध्यम से दुसरे को बेच दिया था जिसकी गोपनीय जानकारी होने पर नवजात शिशु को बरामद कर बाल कल्याण समिति सोनभद्र के आदेश के क्रम में नवजात शिशु को संस्था मे आवासित करवाया गया है उक्त के सम्बन्ध में थाना बीजपुर में मु0अ0स0 08/2023 धारा 317भादवि व 80/81जे जे एक्ट अन्तर्गत मुक़दमा पंजीकृत कर विवेचना प्रचलित है अन्य बिधिक कार्यवाही की जा रही है साथ शेषमणि दुबे ओ आर डब्ल्यू जिला बाल संरक्षण इकाई सोनभद्र द्वारा बताया गया यदि इस प्रकार की सूचना कही से प्राप्त होती है तो तत्काल जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समिति सोनभद्र एवं सम्बंधित थाने अवगत कराये सूचना देने वाले का नाम व पता गोपनीय रखा जायेगी।

झोलाझाप डॉक्टर करते है आपरेशन स्वास्थ्य विभाग के मिली भगत से चल रहा है अल्ट्रा साउंड सेन्टर हुआ सील

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। डाक्टर के बिना चल रहा था अस्पताल,स्वास्थ विभाग ने किया कार्यवाही अब देखना है कि कितने

दिन में खुल जाएगा हॉस्पिटल थाना चोपन अंतर्गत चर्चित रमाकांत अस्पताल में लगातार जिला प्रशासन को मिल रही शिकायत के क्रम में आज मुख्य चिकित्सा अधिकारी सोनभद्र के निर्देश में डाक्टर गुरु प्रसाद नोडल अधिकारी निजी चिकित्सालय/पंजीयन झोलाझाप द्वारा प्रीतनगर चोपन में चल रहे अल्ट्रासाउंड केंद्र पर मौके पर रेडियोलॉजिस्ट नही मिले जहा एक्सरे कमरा,अल्ट्रा साउंड कमरा सील किया गया उसके बाद नोडल अधिकारी ने रमाकांत अस्पताल पर भी छापा मारा जहा पर जांच अधिकारी ने घंटों रुककर देखा जहा मौके पर बिना मान्यता के पैथलाजी,एक्सरे मशीन,ऑपरेशन कक्ष व तमाम खामियां देखने को मिला साथ ही अस्पताल का पंजीकरण भी समया अवधि समाप्त मिला मौके पर मौजूद डाक्टर द्वारा बीते दिनों 1 व्यक्ति का मृत्यु प्रमाण पत्र भी जारी किया गया था जांच अधिकारी द्वारा मौके पर अस्पताल के 3 कमरे भी सील किया गया दोनों मामले में नोटिस देकर स्पष्टीकरण मांगा गया हैं उचित जवाब ना मिलने पर होगी कार्यवाही उम्मीद है।लगातार नोडल अधिकारी के ऊपर भी अवैध अस्पतालों से वसूली की भी चर्चाएं भी मिलती रहती हैं।की जिस हॉस्पिटल को नोटिस दिया जाता था वो कैसे तीन दिन में खुल गया स्वास्थ्य विभाग जबाब दे।

ग्राम पंचायत कोटा के पंचायत भवन पर की गई ग्राम वासियों की खुली बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)
डाला/सोनभद्र। विकास खंड चोपन के ग्राम सभा कोटा के अंतर्गत परासपानी में पंचायत भवन के प्रांगण में खुली बैठक का आयोजन किया गया गौरतलब हो कि आज शुक्रवार को ग्राम सभा कोटा के पंचायत भवन प्रांगण में आयोजित खुली बैठक के दौरान ग्राम वासियों व ग्राम पंचायत सदस्यों द्वारा अपने अपने वार्ड व टोलो मे नए आवास के लिए 118 विधवा पेंशन के लिए 25 नए शौचालय के लिए 40 इंटरलॉकिंग के लिए 16 चबूतरा के लिए 10 सीसी रोड के लिए हैं 20 हैडपंप रिबोर के लिए 50 आदि विभिन्न कार्यों के लिए आवेदन दिए गए । वार्डो मे नाली निर्माण व ट्रांसफार्मर सहित स्वास्थ्य विभाग से बीपी मापक मशीन व ऑक्सीजन मापक ऑक्सी मशीन की भी मांग उठाई गई । खुली बैठक के दौरान मुख्य रूप से ग्राम सभा के अंतर्गत विकास कार्यों आदि निर्माण कार्यो मे उपयोग किए गए सामग्री/मटेरियल व मजदूरों की मजदूरी का बकाये राशि का भुगतान नहीं हो पाने का मामला गरमाया रहा । बैठक में मौजूद नोडल अधिकारी / एबीएसए सुनील कुमार प्रजापति ने बताया कि बजट के अभाव में भुगतान नहीं हो पा रहा है जैसे ही बजट आता है बकाया भुगतान को करा दिया जाएगा । ग्राम विकास अधिकारी कोटा राहुल सिंह ने बताया कि कुछ कार्य अभी अधूरे पढ़े हुए हैं जिसको पूर्ण कराने के बाद और अन्य कार्यों की जांच हो जाने के बाद उससे संबंधित बकाए राशि का बजट आने पर भुगतान करा दिया जाएगा

।विधवा ,वृद्धा , दिव्यांग आदि पेंशन से संबंधित भी कई समस्याओं को ग्रामीणों द्वारा अवगत कराया गया जिसको लेकर मौजूद अधिकारियों ने ग्रामीणों को जानकारी दिया कि सरकार द्वारा जनहित में कई योजनाओं को चलाया जा रहा है जिसके लिए आधार कार्ड को संबंधित से लिंक कराने के लिए ग्रामीणों को जानकारी दिया गया और बताया जो भी आवेदन खुली बैठक के दौरान प्राप्त हुए है उसकी जांच कर प्रस्ताव में शामिल कर लिया जाएगा। खुली बैठक मे मुख्य रूप से ग्राम प्रधान कोटा प्रहलाद चेरो, सहायक ग्राम पंचायत ललिता, प्रत्येक वार्डों के पंचायत सदस्य, सर्वजन विकास सेवा समिति उप सचिव अवधेश चौहान, पूर्व ग्राम पंचायत सदस्य आमिल बेग सहित प्रत्येक वार्डो से सैकड़ों की संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे ।

चार व्यक्तियो के बैक खाते से धोखाधड़ी कर के 109,401 रूपये शिकायत कर्ता के बैक मे वापस कराया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। शिकायतकर्ता राकेश कुमार श्रीवास्तव निवासी-534 अनपरा कालोनी थाना अनपरा के खाते मे कुल- 10,269 रुपये, शिकायतकर्ता मुकेश कुमार निवासी खरौण्डी थाना कोन के खाते में कुल 5,100 रुपये, शिकायतकर्ता सिन्धु कुमारी निवासी-रानीतारा थाना-करमा के खाते में कुल 23,682 रु0 शिकायतकर्ता राजेश सिंह निवासी उरमौरा थाना रॉबर्ट्सगंज के खाते में कुल 70,350 रुपये को फर्जी नम्बर द्वारा कॉल करके धोखाधड़ी कर लिया गया था । शिकायतकर्ताओं द्वारा साइबर सेल को लिखित प्रार्थना पत्र दिया गया जिसपर पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा साइबर सेल को त्वरित कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त निर्देश के क्रम में प्रभारी साइबर सेल निरीक्षक संजीव कुमार यादव, आरक्षी अभिषेक तिवारी, आरक्षी शैलेन्द्र कुमार एवं आरक्षी जितेन्द्र कुमार द्वारा आवेदक के दिये गये शिकायती प्रार्थना पत्र पर त्वरित कार्यवाही करते हुए मोबिक्विक, पेटीएम कम्पनी, अजियो, कम्पनी एवं बैंक से सम्पर्क कर कुल 109,401 रुपये वापस कराया गया शिकायतकर्ताओं के रुपये वापस होने पर उनके द्वारा साइबर सेल एवं जनपदीय पुलिस की भूरी-भूरी प्रशंसा की गयी ।

पंचतत्व में विलीन हुये छानबे विधायक राहुल प्रकाश कोल

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरजापुर। केन्द्रीयमंत्री अनुप्रिया

पटेल एवं प्रदेश के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल के द्वारा नम आंखो से दी गयी श्रद्धांजलि जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने पैतृक आवास पहुंचकर दी श्रद्धांजलि मीरजापुर 03 फरवरी 2023- विधानसभा छानबे के लोकप्रिय मा0 विधायक राहुश प्रकाश कोल के आकस्मिक निधन पर जनपद के हजारों नागरिको के द्वारा नम आंखो से अपने लोकप्रिय विधायक के अन्तिम दर्शन करते हुये शव यात्रा में शामिल हुये तथा उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी। विधायक राहुल कोल का पार्थिव शरीर उनके पैतृक आवास पहुँचने पर केन्द्रीयमंत्री अनुप्रिया पटेल, प्रदेश के कैबिनेट आशीष पटेल, के साथ कई जन प्रतिनिधियों के द्वारा पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल एवं पुलिस अधीक्षक संतोष मिश्र ने भी उनके पैतृक आवास ग्राम कुबरी पटेहरा पहुँचकर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। आज विधायक राहुल प्रकाश कोल का चील्ह घाट पर अन्तिम संस्कार किया गया। इस अवसर पर मा0 केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, प्रदेश के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल, मा0 विधायक मड़िहान रमाशंकर सिंह पटेल, मा0 विधायक चुनार अनुराग सिंह, सदस्य विधान परिषद श्याम नरायण सिंह उर्फ विनीत सिंह, अध्यक्ष जिला पंचायत राजू कनौजिया, अपर जिलाधिकारी शिव प्रताप शुक्ल, अपर पुलिस अधीक्षक श्रीकान्त प्रजापति, उपजिलाधिकारी सदर चन्द्रभानु सिंह, मड़िहान अश्वनी कुमार सिंह, चुनार नीरज पटेल, लालंगज नवनीत सेहारा सहित जनपद के भारी संख्या में जन प्रतिनिधि व नागरिक उपस्थित रहें।

हार्डकोर नक्सली मुन्ना विश्वकर्मा लालव्रत कोल को उम्रकैद व अर्थदंड

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। मांची व कोन थाना क्षेत्र में 15-16 वर्ष पूर्व मेठ जयराम वादी व उदय प्रताप कनौजिया की गला काटकर नृशंस हत्या करने के मामले में विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट सोनभद्र एहसानुल्लाह खान की अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषियों हार्डकोर नक्सली मुन्ना विश्वकर्मा व लालब्रत कोल को उम्रकैद व अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड न देने पर 3- 3 वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से एक लाख रूपये मृतक उदय प्रताप कनौजिया की पत्नी लीलावती को मिलेगी। दोनों नक्सलियों को वङ्का वाहन से नैनी व जौनपुर जेल से लाया गया था। अभियोजन पक्ष के मुताबिक मांची थाना क्षेत्र के चिचलिक गांव निवासी मैनेजर वादी पुत्र गुलाब वादी ने 11 जुलाई 2006 को दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसका भाई जयराम वादी चौरा से खोडैला के रास्ते पर मेठ का काम करता था। 9 जुलाई 2006 को घर से काम पर गया था। पता चला है कि चौरा गांव के गहबड़िया जंगल में शाम साढ़े छ बजे उसके भाई की हत्या

कर दी गई है और उसका गर्दन सर से अलग पड़ा हुआ है। इस तहरीर पर एफ आई आर दर्ज कर मामले की विवेचना की गई तो हार्डकोर नक्सली मुन्ना विश्वकर्मा पुत्र तिलकधारी निवासी कम्हारडी थाना रार्बटसगंज, जिला सोनभद्र तथा नक्सली लालव्रत कोल का नाम प्रकाश में आया। इस मामले में अदालत ने दोनों नक्सलियों को उम्रकैद व 54-54 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं अर्थदंड न देने पर 3- 3 वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं दूसरा मामला कोन थाना क्षेत्र का वर्ष 2007 का है। 26 फरवरी 2007 को कोन थाने में दी तहरीर में लीलावती पत्नी उदय प्रताप कनौजिया ने अवगत कराया था कि प्रधानी चुनाव में उसके जेठ चुनाव लड़ने वाले थे और उसका पति उनका साथ दे रहे थे।

टेस्ट सीरीज से पहले कंगारू टीम ने चली चाल, भारत का सामना करने के लिए तैयार किया 'डुप्लीकेट अश्विन'

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर सीरीज की शुरुआत 9 फरवरी से हो रही है। दोनों टीमों के लिए यह सीरीज काफी अहम मानी जा रही है, ऐसा इसलिए क्योंकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने

के लिए यह सीरीज जीतना दोनों टीमों के लिए बेहद जरूरी है। बता दें कि भारतीय टीम के अनुभवी स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन टेस्ट सीरीज के लिए शुरुआती दो टेस्ट के लिए भारतीय स्क्वॉड में शामिल है, जो कि कंगारू टीम के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम स्पिन गेंदबाजों की खास तैयारी कर रही है। कंगारू टीम ने अश्विन के एक डुप्लीकेट खिलाड़ी महेश पिथिया को बेंगलुरू बुलाया गया है, जो ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को स्पिन गेंदबाजी का अभ्यास करा रहे हैं। दरअसल, भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है, जिसके लिए दोनों टीमों ने तैयारी शुरू कर दी। बता दें कि टीम इंडिया के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ऑस्ट्रेलिया के लिए खतरा साबित हो सकते है। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अश्विन का सामना करने के लिए बेंगलुरु एक ऐसे खिलाड़ी को बुलाया है, जो बिल्कुल आर अश्विन की तरह गेंदबाजी करता है। ये खिलाड़ी महेश पिथिया है। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का कहना है कि अभ्यास मैच में बीसीसीआई उनके साथ चीटिंग करती है, वह उन्हें हरी पिच देता है, जिसमें स्पिन गेंदबाजों को मदद नहीं होती और बल्लेबाजी उनके लिए आसान होती है, लेकिन मैच में स्पिन पिच का उपयोग होता है। इस वजह से उन्होंने इस टेस्ट सीरीज से पहले अभ्यास मैच नहीं खेलने का फैसला किया है। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम बेंगलुरु में पुरानी पिच पर तैयारी कर रही है, जो पूरी तरह से टूटी हुई है। वह महेश पिथिया से गेंदबाजी करवा रहे है, ताकि कंगारू बल्लेबाज पहले से खुद को तैयार कर सकें।''ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टेस्ट दौरे के पहले अभ्यास सत्र में डुप्लीकेट रविचंद्रन अश्विन की गेंदों का सामना किया है। स्पिन का सामना करने पर फोकस रहा और स्थानीय नेट गेंदबाजों में पिथिया अलग थे। उन्होंने कोई ब्रेक के बिना लगातार गेंदबाजी की और स्मिथ, मार्नस लाबुशेन और ट्रेविस हेड जैसे बल्लेबाजों को परेशान किया।

भारत को 2007 टी20 विश्व कप जिताने वाले खिलाड़ी ने किया संन्यास का ऐलान

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारतीय टीम ने साल 2007 में महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई में टी-20 विश्व कप का खिताब जीता था। बता दें कि उस वर्ल्ड कप में फाइनल के हीरो रहे जोगिंदर शर्मा ने 3 फरवरी 2023 को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। इसकी जानकारी उन्होंने ट्वीट कर दी बता दें कि जोगिंदर शर्मा ने साल 2004 में सौरव गांगुली की कप्तानी में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था और साल 2007 और साल 2020 में उन्होंने रियल हीरो बनकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। खास बात तो यह है कि जोगिंदर अभी हरियाणा पुलिस में डीएसपी पद पर तैनात है, उन्होंने कुछ समय पहले हरियाणा के लिए रणजी ट्रॉफी भी खेला था बता दें कि जोगिंदर शर्मा ने ट्वीट कर बीसीसीआई को एक खास संदेश लिखा। उन्होंने लिखा कि वह बीसीसीआई, हरियाणा क्रिकेट

एसोसिएशन, चेन्नई सुपर किंग्स और हरियाणा सरकार का शुक्रिया अदा करते हैं। जोगिंदर शर्मा ने अपने फैंस, परिवार और दोस्तों को धन्यवाद किया, जिन्होंने करियर के उतार-चढ़ाव में उनका साथ दिया। वहीं, अगर बात करें जोगिंदर शर्मा के क्रिकेट करियर की तो कुल 4 टी-20 और 4 वनडे मैच खेले हैं। वनडे में 4.6 के इकोनॉमी रेट से उनकी झोली में सिर्फ 1 सफलता हासिल हुई। वहीं, टी20 क्रिकेट में उन्होंने 4 विकेट चटका बता दें कि साल 2007 के टी-20 विश्वकप के फाइनल मैच में जोगिंदर शर्मा ने काफी सुर्खियां बटोरी थी। उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच खेले गए उस मैच में पाकिस्तान के हाथों आखिरी ओवर में जीत छीन ली थी। बता दें कि आखिरी ओवर में पाकिस्तान को 13 रनों की जरूरत थी और मैदान पर पाकिस्तान के विस्फोटक बल्लेबाज मिसबाह गजब की बैटिंग कर रहे थे उस वक्त हर जगह सन्नाटा का मौहोल था, क्योंकि इस हाई प्रेशर गेम का नतीजा अंत पर था। इसी बीच अंतिम ओवर में कप्तान एमएस धोनी ने जोगिंदर शर्मा पर भरोसा जताते हुए उन्हें गेंद थमा दी। धोनी का ये फैसला टीम के बिल्कुल काम आया और जोगिंदर शर्मा ने इस ओवर की तीसरी गेंद पर मिसबाह को श्रीसंत के हाथों कैच आउट कराते हुए भारत को विश्व विजेता बना दिया।

पहले टेस्ट में रच सकते है इतिहास, तोड़ देंगे इस भारतीय दिग्गज का बड़ा रिकॉर्ड

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारतीय टीम के अनुभवी स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जाने

वाली टेस्ट सीरीज के लिए शुरुआती दो टेस्ट की स्क्वॉड में शामिल है। बता दें कि अश्विन के पास 9 फरवरी को खेले जाने वाले पहले टेस्ट में इतिहास रचने का सुनहेरा मौका है। दरअसल, अश्विन अपने टेस्ट करियर के एक अद्भुत रिकॉर्ड को हासिल करने के बस एक कदम दूर हैं। आइये जानते है इस बारे में विस्तार से। दरअसल, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 9 फरवरी से चार मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला नागपुर में खेला जाना है। इस मुकाबले में अगर टीम इंडिया के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अगर एक विकेट ले लेते है, तो वह टेस्ट इतिहास में सबसे तेज 450 विकेट पूरे करने वाले दुनिया के दूसरे गेंदबाज बन जाएंगे। बता दें कि सबसे कम टेस्ट खेलकर 450 विकेट लेने की खास उपलब्धि अश्विन अपने 89वें टेस्ट मैच में हासिल करेंगे। इस खास उपलब्धि के साथ ही वह भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले का रिकॉर्ड तोड़ देंगे, जिन्होंने 93वें टेस्ट मैच में 450 विकेट हासिल किया था। जबकि, टेस्ट में सबसे तेज 450 विकेट लेने का रिकॉर्ड श्रीलंका के पूर्व दिग्गज मुथैया मुरलीधरन के नाम दर्ज है, जिन्होंने कुल 88 टेस्ट मैच खेलते हुए 450 विकेट लेने का कारनामा किया था। भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), शुभमन गिल, पुजारा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएस भरत (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, अक्षर पटेल , कुलदीप यादव, रविंद्र जडेजा (फिटनेस पर निर्भर), मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, जयदेव उनादकट, सूर्यकुमार यादव।

खास अंदाज में नागपुर के लिए रवाना हुई टीम इंडिया, कोहली-राहुल की वीडियो हुई वायरल

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 9 फरवरी से नागपुर में होने जा रहा है, जिसके लिए टीम इंडिया नागपुर पहुंच चुकी है। बता

दें कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रही है, जिसमें स्टार खिलाड़ी विराट कोहली और केएल राहुल नागपुर के लिए रवाना होते हुए नजर आए।बता दें कि विराट कोहली को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद आराम दिया गया था। वहीं, केएल राहुल अपनी शादी के चलते कुछ समय के लिए छुट्टियों पर थे। ऐसे में दोनों खिलाड़ियों ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए तैयारी शुरू कर दी है।दरअसल, भारत के खिलाफ चार मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम पहले ही भारत पहुंच चुकी है। बता दें कि कंगारू टीम ने अपना पांच दिवसीय कैंप बेंगलुरु में लगाया है, जो कि 6 फरवरी को खत्म होगा। इसके बाद मेहमान टीम नागपुर के लिए रवाना होगी। दूसरी ओर, भारतीय टीम ने 2 फरवरी को नागपुर के लिए उड़ान भरी है।सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रही है, जिसमें विराट कोहली और केएल राहुल को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। जहां से उन्होंने नागपुर के लिए उड़ान भरी। बता दें कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में जगह बनाने के लिए ये सीरीज काफी अहम है। भारत ने साल 2020-21 में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से मात दी थी, ऐसे में इस बार भी रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम इस ट्रॉफी को जीतना चाहेंगी। भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), शुभमन गिल, पुजारा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएस भरत (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, अक्षर पटेल , कुलदीप यादव, रविंद्र जडेजा (फिटनेस पर निर्भर), मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, जयदेव उनादकट, सूर्यकुमार यादव।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैं टेस्ट सीरीज से पहले चेतेश्वर ने भरी हुंकार, दिया यह बयान

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत 9 फरवरी से नागपुर

में होने जा रही है। इस सीरीज में टीम इंडिया के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा को बीसीसीआई ने शुरुआती दो टेस्ट मैच की स्क्वॉड में शामिल किया है। बता दें कि चेतेश्वर पुजारा ने ऑस्ट्रेलिया का सामना करने के लिए तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ दिन पहले तस्वीरें शेयर कर अपनी प्रैक्टिस की जानकारी दी। इसके साथ ही बता दें कि पुजारा के पास इस सीरीज में पूर्व खिलाड़ी और भारतीय कोच राहुल द्रविड़ का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ने का भी सुनहेरा मौका है। दरअसल, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आगामी टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी नेट प्रैक्टिस की तस्वीरें शेयर कर कंगारू टीम को चेतावनी दे दी है। बता दें कि इस सीरीज में पुजारा के पास एक बड़ा रिकॉर्ड बनाने का मौका है। वह राहुल द्रविड़ को एक खास मामले में पीछे छोड़ सकते हैं। टीम इंडिया के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 32 मैचों की 60 पारियों में 39.68 की औसत के साथ 2143 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 2 शतक और 13 अर्धशतक लगाए हैं। ऐसे में उनका रिकॉर्ड तोड़ने के लिए पुजारा को सीरीज में 250 रन बनाने होंगे। ऐसा करने के साथ ही पुजारा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में राहुल द्रविड़ को पीछे छोड़ देंगे।

14 साल की उम्र में रचा इतिहास अंडर-15 ब्रिटिश जूनियर ओपन स्क्वैश टाइटल का जीता खिताब

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारत की युवा स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने 14 साल की उम्र में सफलता के उस मुकाम को हासिल किया है जो आसान

नहीं होता और यह प्रेरणादायक भी है। 2023 में उन्होंने अंडर-15 ब्रिटिश जूनियर ओपन स्क्वैश टाइटल जीतकर पूरी दुनिया में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उन्होंने साल 2019 में ब्रिटिश जूनियर ओपन स्क्वैश में गर्ल्स अंडर-11 का खिताब जबकि इसी साल डच जूनियर ओपन स्क्वैश में गर्ल्स अंडर-13 का खिताब जीता था। जून 2022 में उन्होंने एशियाई जूनियर स्क्वैश व्यक्तिगत चैंपियनशिप का गर्ल्स अंडर-15 खिताब जीता। दिल्ली में रहने वाली अनाहत सिंह ने अपने करियर और व्यक्तिगत जीवन से जुड़ी कई रोचक बातों के बारे में दैनिक जागरण संवाददाता संजय सावर्ण को बताया, पेश हैं उसके मुख्य अंश। जोशना चिनप्पा, दीपिका पल्लीकल और सौरव घोषाल मुझे बेहद पसंद हैं जो काफी वक्त से खेल रहे हैं। इन्होंने देश के लिए काफी मेडल भी जीते हैं। जब आप किसी बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचती हैं तो खेल का जो दवाब होता है तो आप उसे कैसे हैंडल करती हैं जब मैं किसी टूर्नामेंट में खेलने के लिए जाती हूं तो ज्यादा दवाब नहीं लेती, खासतौर पर जब किसी सीनियर से मेरा सामना होता है तो मैं यह सोचती हूं कि अगर मैं हार जाती हूं तब भी सीखने को मिलेगा। मैं बस बेस्ट देना चाहती हूं और हारने या जीतने के बारे में ज्यादा नहीं सोचती। एक ऐसा सपना जो आप पूरा करना चाहती हैं मैं ओलिंपिक में देश के लिए मेडल जीतना चाहती हूं, लेकिन स्क्वैश अभी इस इवेंट का हिस्सा नहीं है। कामनवेल्थ गेम्स में भी मेडल जीतने का मेरा सपना है। कामनवेल्थ गेम्स के दौरान जब आप अन्य खेल के देश के कई धुरंधर खिलाड़ियों से मिलीं तब कैसा महसूस हुआ जब कामनवेल्थ के लिए मेरा चयन हुआ तब मैं एक महीने तक विश्वास ही नहीं कर पाई थी। जब मैं वहां पहुंची तब मैंने देश के कई बड़े खिलाड़ियों से बात की तो उनसे काफी कुछ सीखने को मिला। स्क्वैश के अलावा वो एक खेल जिसे आप आप खेलना पसंद करती हैं मैंने स्क्वैश से पहले नेशनल लेवल पर बैडमिंटन खेला था और मुझे यह गेम काफी पसंद है।

टेस्ट सीरीज में इन 5 भारतीय प्लेयर्स पर रहेंगी सभी की निगाहें

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 9 फरवरी से नागपुर में होने

जा रहा है। बता दें कि इस सीरीज के लिए भारतीय टीम की कमान रोहित शर्मा के हाथों में है, तो वहीं उपकप्तान की जिम्मेदारी केएल राहुल को दी गई है। यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिए काफी अहम मानी जा रही है। ऐसे में इस आर्टिकल के जरिए जानते हैं उन भारतीय खिलाड़ियों के नाम जिन पर टेस्ट सीरीज में सभी की निगाहें रहने वाली है। लिस्ट में पहले नंबर पर है टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली का नाम, जो इस वक्त शानदार फॉर्म में चल रहे है। बता दें कि 3 साल बाद किंग कोहली ने जबरदस्त वापसी कर टी-20 और वनडे फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया। ऐसे में फैंस को उनसे टेस्ट में भी शानदार वापसी की उम्मीदें है। कोहली ने कुल 104 टेस्ट मैच खेलते हुए 8119 रनों बनाए है, जिसमें उन्होंने 27 शतक और 28 अर्धशतक जड़े है।इस दौरान उनका उच्चा स्कोर नाबाद 254 रहा है। लिस्ट में नंबर 2 पर है टीम इंडिया के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का नाम, जिन पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में सभी की निगाहें रहने वाली है। बता दें कि अश्विन के पास टेस्ट के पहले मैच में ही खास उपलब्धि हासिल करने का सुनहेरा मौका है। अश्विन ने टेस्ट करियर में अब तक कुल 88 मैच खेलते हुए 459 विकेट चटकाए है, ऐसे में नागपुर में खेले जाने वाले टेस्ट मैच में अश्विन एक विकेट लेकर पूर्व भारतीय दिग्गज अनिल कुंबले का रिकॉर्ड तोड़ सकते है। इसके साथ ही सबसे कम मैच खेलते हुए वह टेस्ट में 450 विकेट लेने वाले दुनिया के दूसरे गेंदबाज बन जाएंगे। लिस्ट में तीसरे नंबर पर है कुलदीप यादव का नाम, जिन्होंने टेस्ट में केवल 8 मैच खेलते हुए 33 विकेट चटकाए है। बता दें कि कुलदीप इस वक्त शानदार लय में है, उन्होंने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज में कुल 8 विकेट चटकाए। ऐसे में फैंस उनसे टेस्ट में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे है। लिस्ट में चौथे नंबर पर है टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा का नाम, जिन्होंने पिछले साल अगस्त 2022 के बाद से भारत के लिए नहीं खेला। जडेजा ने हाल ही में रणजी ट्रॉफी में सौराष्ट्र की कप्तानी की थी, जिसमें तमिलनाडु के खिलाफ जडेजा ने दूसरी पारी में सात विकेट हासिल करते हुए दमदार अंदाज में वापसी की। ऐसे में 60 टेस्ट में 242 विकेट ले चुके जडेजा के पास इस फॉर्मेट में 250 विकेट पूरे करने का मौका होगा। लिस्ट में पांचवे नंबर पर है टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का नाम, जिनसे भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में काफी उम्मीदें है।

राशिफल

मेष-:अपने मित्र के साथ हुई गलतफहमी को शीघ्र सुलझाएं। अधिक विवाद से आप दोनों के संबंधों को हानि होगी। प्रमोशन होगा और सैलेरी भी बढ़ सकती है।

वृष-:व्यापार में अच्छा लाभ का योग आज बन सकता है। आप अपने साझेदार के साथ अच्छे व्यवहार के कारण अपने व्यापार को नई गति देंगे।

मिथुन-:आज आपका दिन शानदार रहेगा। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। आप थोड़ी-सी मेहनत करके अपने उद्देश्यों को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।

कर्क-:कर्क राशि वाले आज एक नई शुरुआत कर सकते हैं। सामाजिक रूतबा मिल सकता है। घर-परिवार या पड़ोस में कोई कठिन परिस्थिति बने तो सकारात्मक रहें।

सिंह-:आपके लिए आज का दिन काफी अनुकूल रहने की संभावना दिखाई दे रही है। परिवार के लोगों का तालमेल आपको आगे बढ़ने का हौसला देगा।

कन्या-:आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आपको शाम तक किसी समारोह में शामिल होने का मौका मिलेगा। किसी पुराने मित्र से मिलकर आपका मन प्रसन्न हो जायेगा।

तुला-: आज आपकी योग्यता में वृद्धि होगी। जल्दबाजी और जोखिम भरे कामों से दूर रहें। ऐसा कोई गैरज़िम्मेदाराना काम न करें जिसके लिए बाद में आपको पछताना पड़े।

वृश्चिक-:छात्रों के लिए दिन अनुकूल है क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। जमीन-जायदाद संबंधी कार्य स्थगित करना आपके हित में रहेगा।

धनु-:यदि आप मानसिक रूप से तनाव को अपने ऊपर हावी होने देंगे तो आपको परेशानियां होंगी, अन्यथा स्थिति बढ़िया भी हो सकती है।

मकर-: करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर सामने आएंगे। संतान पक्ष की ओर से आपको सुख की अनुभूति होगी। किसी जरूरी काम के बेहतर परिणाम मिलेंगे।

कुंभ-:आज आप अपनी नयी सोच से अपने कार्यक्षेत्र में बहुत ही उन्नति हासिल करेंगे। आज आपका नए लोगों से संपर्क होगा और नए लोगों से मित्रता होगी।

मीन-:आपके लिए आज का दिन बढ़िया रहेगा और आने वाला दिन भी आज पर निर्भर करेगा, क्योंकि आज आपको कुछ ऐसे काम निपटाने हैं जो कि लंबे समय से अटके हुए हैं।

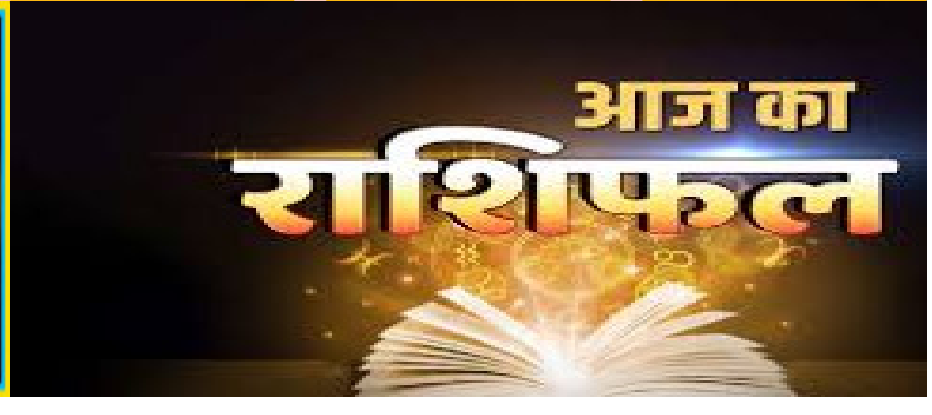

सम्पादकीय

पाकिस्तान में नए टकराव की आहट, दुर्गति के बावजूद पाकिस्तानी सेना और राजनीतिक बिरादरी पुरानी नीतियों पर ही कायम

हाल में भारत ने जहां 74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर एक वास्तविक लोकतांत्रिक ढांचे में अपनी जनता से व्यापक प्रगति के लिए पुनः प्रतिबद्धता व्यक्त की, तो दूसरी ओर पाकिस्तान भारी राजनीतिक एवं आर्थिक मुश्किलों के भंवर में फंसा है। उसके हालात को पाकिस्तानी अखबार 'डान' ने हालिया संपादकीय टिप्पणी में इस प्रकार व्यक्त किया है, 'देश निराशा की इतनी गहरी गर्त में पहुंच गया है कि लोग बोरिया-बिस्तर समेटने और देश छोड़ने की वकालत कर रहे हैं।' पाकिस्तान की सेना और राजनीतिक बिरादरी देश की ऐसी दुर्गति के कारण और निवारण पर मंथन करने के बजाय अपनी पुरानी नीतियों पर कायम हैं। ये नीतियां लोगों को निरंतर गरीबी के दलदल में धकेलने और उन कट्टरपंथी मुल्ला-मौलवियों की ताकत बढ़ाने वाली हैं, जो देश को वापस पाषाण युग में ले जाना चाहते हैं। पाकिस्तान के मौजूदा हालात की सुध लेने से पहले एक हालिया घटनाक्रम का उल्लेख आवश्यक है। भारत ने शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ की बैठक के लिए पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी को आमंत्रण भेजा है। चूंकि इस संगठन की अध्यक्षता फिलहाल भारत के पास है तो इस नाते एससीओ बैठक आयोजन की जिम्मेदारी भी उस पर है। ध्यान रहे बिलावल को भेजा गया बुलावा द्विपक्षीय संबंधों के संदर्भ में नहीं है और एससीओ का अध्यक्ष होने के नाते भारत पाकिस्तानी विदेश मंत्री को आमंत्रित करने से नहीं बच सकता था। दूसरी ओर पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि बिलावल इस बैठक में हिस्सा लेंगे या नहीं। कूटनीतिक प्रोटोकाल की मर्यादा को देखते हुए बिलावल को बुलाने में जयशंकर को कड़वा घूंट पीना पड़ा होगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि गत माह बिलावल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति अमर्यादित भाषा इस्तेमाल की थी। इसके लिए बिलावल की कम उम्र और अनुभवहीनता की दुहाई नहीं दी जा सकती। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ तो सार्वजनिक रूप से कह सकते थे कि वह मोदी के प्रति बिलावल की भाषा से सहमत नहीं, लेकिन उन्होंने भी ऐसा कुछ नहीं किया। कुल मिलाकर बिलावल को आमंत्रण भेजने के मामले में यह नहीं कहा जा सकता कि भारत ने पाकिस्तान के प्रति अपनी उस नीति को बदल दिया है कि जब तक वह आतंक का परित्याग नहीं करता तब तक उसके साथ किसी प्रकार की कोई बातचीत संभव है। पाकिस्तान की वर्तमान स्थिति देखें तो पाकिस्तानी स्टेट बैंक के पास केवल एक महीने के निर्यात की वित्तीय व्यवस्था बची है और वह भी संयुक्त अरब अमीरात की हालिया मदद की बदौलत हासिल हुई है। उसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) से सहायता की तत्काल आवश्यकता है, ताकि पाकिस्तानी रुपये को कुछ सहारा मिल सके। आइएमएफ ने मदद के लिए कुछ शर्तें तय की हैं। इनमें सरकार को सब्सिडी खर्च में कटौती करने, कर संग्रह और ईंधन एवं बिजली की दरें बढ़ानी हैं। ऐसे कदम उठाते ही शरीफ सरकार अलोकप्रिय होने लगी। पाकिस्तानी पंजाब के उपचुनावों में इसकी झलक भी दिखी, जहां पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ यानी पीटीआइ ने जीत का परचम फहराया। इससे परेशान शहबाज अपने भाई और पार्टी नेता नवाज शरीफ की सलाह पर आइएमएफ से किए वादे से पलट गए। आइएमएफ ने भी अपनी मदद पर तुरंत रोक लगा दी। अब मजबूरी में शहबाज ने आइएमएफ को आश्वस्त किया है कि वह उसकी शर्तों को लागू करेंगे। जनसमर्थन गंवाती शहबाज शरीफ सरकार को देखकर इमरान को राजनीतिक अवसर दिख रहा है। वह जल्द से जल्द चुनाव कराने का अभियान चला रहे हैं, जबकि तय कार्यक्रम के अनुसार नेशनल असेंबली के लिए इस साल अक्टूबर में चुनाव होने हैं। अपने अभियान को परवान चढ़ाने के लिए इमरान ने पंजाब और खैबर-पख्तूनख्वा की विधानसभाएं भंग करा दी हैं। इन राज्यों में कामचलाऊ सरकारें नियुक्त की गई हैं और अप्रैल के अंत तक चुनाव होना है। अगर पंजाब में पीटीआइ जीत हासिल कर लेती है तो इमरान को राजनीतिक रूप से रोकना मुश्किल हो जाएगा। उन्हें तभी रोका जा सकता है जब चुनाव आयोग उन्हें चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य ठहराए और अदालत उस फैसले पर मुहर लगाए। यहां शहबाज से अधिक नवनियुक्त सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की भूमिका कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण होगी। मुनीर ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं। स्थायी शत्रु भारत से केवल वही उनकी रक्षा कर सकती है। पाकिस्तानी जनता भी एक बड़ी हद तक उसके इस प्रचार को स्वीकार करती है।

सनातन के अपमान का षड्यंत्र, किसी ग्रंथ के एक वाक्य या शब्द को संदर्भ से काटकर उनकी निंदा करना घोर नासमझी

देश में शिक्षा और संस्कृति का स्तर निरंतर गिरावट की ओर है। बिहार के शिक्षा मंत्री द्वारा महाकवि तुलसीदास और स्मृतिकार मनु महाराज को लांछित करना इसका नवीनतम प्रमाण है। मंत्री महोदय पहले भी यह सब कहते रहे हैं। यदि उनके ऊपर के महानुभाव इसी को सुनीति मानते हैं तो हमारी दुर्गति स्पष्ट है। ब्रिटिश शासन में भी हमारी शिक्षा से महान भारतीय शास्त्र बाहर नहीं हुए थे। जबकि आज उन्हें शिक्षा से हटाकर उन पर कीचड़ उछाली जा रही है। रामचरितमानस या मनुस्मृति की निंदा इसी का उदाहरण है। ऐसा करने वाले केवल सुनी-सुनाई दोहराते हैं। तुलसीदास के 'ढोल गवांर सूद्र पसु नारी/ सकल ताड़ना के अधिकारी।।' को लहराने वाले नेता इसका मनमाना अर्थ निकालते हैं। कभी इसे परखने का कष्ट नहीं करते। इस प्रसंग में समुद्र के घमंड से रुष्ट होकर श्रीराम द्वारा धनुष-बाण निकाल कर उसे सुखा देने का विचार है। तब भयभीत समुद्र श्रीराम से क्षमायाचना करते हुए विनती करता है। उसी में कैफियत देते अन्य बातों के साथ वह पंक्ति भी है। इस प्रकार, पहले तो प्रसंग अनुसार वह पंक्ति एक खलनायक की है। दूसरे, उस दोहे से ठीक पहले समुद्र ने यह भी कहा, 'गगन समीर अनल जल धरनी/ इन्ह कइ नाथ सहज जड़ करनी।।' अर्थात समुद्र ने अपनी मूर्खता स्वीकार करते हुए आकाश, वायु, अग्नि, जल, और धरती को 'स्वभाव से ही जड़' बताया। ऐसे जड़-प्रकृति पात्रों के प्रति कृपानिधान श्रीराम से क्षमाशील होने की विनती की। दोनों बातें एक सांस में कही गईं। यदि इसे कवि का संदेश ही मानने की जिद हो तब भी 'सूद्र' और 'नारी' को वायु और अग्नि के समकक्ष रखा गया है, परंतु प्रसंग छिपाकर, 'सूद्र' या नारी उठाकर मनमाना रंग देना राजनीतिक प्रपंच और शिक्षा के नाम पर कुशिक्षा देना है। इसी तरह जब मनुस्मृति के निंदकों से पूछा जाता है कि क्या उन्होंने 'मनुस्मृति' पढ़ी है? तो अधिकांश का उत्तर 'नहीं' में होता है। वे केवल यही कहते हैं कि उसमें शूद्रों या स्त्रियों के बारे में कुछ आपत्तिजनक सुना है। जबकि यदि जिल्द और शीर्षक हटाकर 'मनुस्मृति' किन्हीं भी शिक्षित व्यक्तियों को पढ़ने को कहें तो लगभग सभी उसे महान ग्रंथ मानेंगे। 'मनुस्मृति' मानव इतिहास में समाजशास्त्र का पहला ग्रंथ है। मनुस्मृति में किसी को कुछ आपत्तिजनक लगे तो उसकी समीक्षा होनी चाहिए। आज के नजरिये से हजारों वर्ष पुराने ग्रंथों में कोई अटपटी बात मिलने पर भी उसे लांछित करना या जलाना मूर्खता है। इसीलिए 'ओल्ड टेस्टामेंट' या 'कुरान' जैसे प्रचीन ग्रंथों को सम्मान दिया जाता है। जबकि उनमें अनबिलीवर और काफिर यानी अन्य धर्म-विश्वासियों के लिए भयंकर अपमानजनक बातें लिखी हुई हैं। उनकी दृष्टि से आज विश्व में करीब तीन अरब लोग अनबिलीवर और काफिर आदि हैं। तो क्या किसी को उन पुस्तकों को जलाने का अधिकार है? बिल्कुल नहीं। तब 'मनुस्मृति' के लिए दुर्भाव रखना विशुद्ध राजनीति से प्रेरित है। यह हिंदू समाज को नीचा दिखाने और तोड़ने के उद्देश्य से किया जाता है। मनुस्मृति की सामग्री में सृष्टि, दर्शन, धर्म-चिंतन, जीवन के विधि-विधान, गृहस्थ के नियम, स्त्री, विवाह, राज्यकार्य संबंधी परामर्श, विविध वर्णों के कर्तव्य, प्रायश्चित, कर्मफल विधान, मोक्ष और परमात्मा से संबंधित चिंतन है। कुछ प्रकाशनों में मनुस्मृति का कलेवर बड़ा दिखता है, किंतु इनमें कई प्रक्षिप्त अंश शामिल हैं, जो मूल श्लोकों से बेमेल लगते हैं। आधिकारिक विद्वान अनेक प्रकाशनों में दिए गए आधे से अधिक श्लोकों को मूल मनुस्मृति का नहीं मानते। किसी ग्रंथ के मूल्यांकन में उसके अनुयायियों का व्यवहार भी एक प्रामाणिक सूचक है। स्मरण रहे कि स्वामी दयानंद या विवेकानंद की शिक्षाओं और जीवन कर्म का आधार वेद, उपनिषद और मनुस्मृति ही रहे। भारतीय समाज की जो सेवा इन महापुरुषों ने की, उसकी प्रेरणा उन्हें वेदांत और मनुस्मृति से ही मिली। ऐसे में सवाल यही है कि क्या इन मनीषियों ने मनुस्मृति को अधिक समझा या आज के वे एक्टिविस्ट उसे उनसे बेहतर समझते हैं, जो समाज को तोड़ने-लड़ाने के लिए हिंदू ग्रंथों पर कालिख पोतते हैं? यदि मनुस्मृति जातिवादी या स्त्री-विरोधी होती तो स्वामी दयानंद संपूर्ण भारत में इतना आधुनिक एवं प्रभावशाली आर्य समाज आंदोलन चलाने में कैसे सफल होते? यह मनुस्मृति में ही लिखा है कि 'जहां नारियों का सम्मान होता है, वहीं देवता वास करते हैं।' 'धर्मो रक्षति रक्षितः' जैसी अनमोल सीख भी उसी की है। हजारों वर्ष पहले के इस ग्रंथ में अधिकांश बातें आज भी मूल्यवान हैं। यूरोप तब जंगली अवस्था में था। भारत में हजारों वर्षों से विदेशी विद्वान और यात्री आते रहे हैं, जिन्होंने विभिन्न कालखंडों में भारत के अनुभवजन्य जीवंत वर्णन लिखे हैं। उनमें कहीं भी हिंदुओं में जाति-प्रथा का कोई संकेत तक नहीं मिलता। यदि कोई संकेत होता भी तो हिंदू-विरोधी लेखक एवं प्रचारक उसे बार-बार दोहराते। स्पष्ट है कि सदियों की बाहरी पराधीनता में हिंदू समाज में बनी छुआछूत जैसी कुरीतियां हमारे शास्त्रों का निर्देश नहीं थीं। इसीलिए उसे खत्म करने का काम दयानंद, विवेकानंद और श्रद्धानंद जैसे हिंदू मनीषियों ने किया। चूंकि वैदिक धर्म में ऐसी छुआछूत का कोई स्थान नहीं, इसीलिए उन मनीषियों ने सहजता से अपना अभियान चलाया। अतः सुनी-सुनाई पर चलना, किसी वाक्य या शब्द को संदर्भ से काटकर, बिना जाने निंदा करना घोर नासमझी या धूर्तता है। हमें अपने ज्ञान-ग्रंथ शिक्षा में शामिल करने चाहिए। उन्हें पढ़कर प्रामाणिक रूप से समझना चाहिए। अन्यथा क्षति हमें ही पहुंचेगी।

अमृतकाल में सहकारिता की अहम भूमिका, देश के विकास इंजन की महत्वपूर्ण कड़ी साबित होंगी सहकारी समितियां

वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए पेश किए गए 'अमृतकाल' के प्रथम बजट ने विकसित भारत की आकांक्षाओं और संकल्प को पूरा करने के लिए बुनियादी ढांचे में पूंजीगत व्यय बढ़ाने, करों में कमी लाने और विवेकपूर्ण राजकोषीय प्रबंधन के माध्यम से व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखने की दिशा में एक मजबूत आधारशिला रखी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सक्षम और दूरदर्शी नेतृत्व में तैयार किया गया यह विकासोन्मुखी बजट न केवल भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में अपना स्थान बनाए रखने में मदद करेगा, बल्कि वैश्विक निराशा के वातावरण को भी बदलने में सहायक होगा। पहली बार ऐसा हुआ है कि बजट में बढ़ई, सुनार, कुम्हार और अन्य कामगारों की मेहनत के महत्व को समझते हुए उनके हित में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना के तहत कई योजनाएं लाई गई हैं। समाज में इन वर्गों के महत्वपूर्ण योगदान को एक लंबे समय से समुचित सम्मान और मान्यता की दरकार थी, जिसे इस बजट में पूरी प्राथमिकता दी गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ सहकारिता क्षेत्र को सशक्त करने के लिए एक क्रांतिकारी निर्णय लेते हुए 2021 में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की। मेरा सौभाग्य है कि मुझे इस मंत्रालय का प्रभार दिया गया। इस बजट ने अनेक अनुकूल उपायों की घोषणा करके सहकारी क्षेत्र को एक आवश्यक बूस्टर खुराक प्रदान करने का काम किया है। बजट में एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए विकेंद्रीकृत भंडारण क्षमता की स्थापना की घोषणा की गई है। यह दुनिया की सबसे बड़ी अनाज भंडारण सुविधा होगी। यह सहकारिता की दिशा और दशा बदलने वाला निर्णय है। नई सहकारी निर्माण समितियों के विकास को बढ़ावा देने के लिए बजट में 31 मार्च, 2024 से पहले कार्यरत समितियों पर 15 प्रतिशत की रियायती आयकर दर की घोषणा की गई है।

चीनी सहकारी मिलों को बहुप्रतीक्षित राहत देने का काम भी इस बजट में हुआ है। निर्धारण वर्ष 2016-17 से पहले गन्ना किसानों को किए गए भुगतान के दावों को अब 'व्यय' माना जाएगा। इससे चीनी सहकारी समितियों को लगभग 10,000 करोड़ रुपये की राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि सहकारी समितियां लंबे समय से हमारी अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, लेकिन उनकी उपस्थिति में महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और भौगोलिक विविधताओं के कारण इनके लाभ पूरे देश को समानता से नहीं मिल पा रहे है। तेजी से बढ़ रहे सहकारी क्षेत्र को कुशल और प्रशिक्षित जनशक्ति की आपूर्ति के लिए एक 'राष्ट्रीय सहकारी विश्वविद्यालय' स्थापित करने का भी काम हो रहा है। हाल में सहकारिता मंत्रालय, इलेक्ट्रानिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नाबार्ड और सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ है। यह समझौता ज्ञापन प्राथमिक कृषि क्रेडिट समितियों को कामन सर्विस सेंटर द्वारा दी जाने वाली सेवाएं प्रदान करने में समर्थ करेगा। जल्द ही प्राथमिक कृषि क्रेडिट समितियों को एफपीओ का दर्जा देने की पहल की जाएगी।

सरकार ने सहकारी क्षेत्र को और मजबूत करने के लिए कई नए कदमों की घोषणा की है। प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा बहु-राज्य सहकारी समिति (एमएससीएस) अधिनियम, 2002 के तहत निर्यात, बीज और आर्गेनिक उत्पादों के लिए राष्ट्रीय स्तर की सहकारी समिति की स्थापना और विकास को मंजूरी देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। सहकारी समितियां छोटे स्तर के उद्यमियों को उत्पादन लागत कम करने के लिए रियायती दरों पर कच्चे माल की खरीद में भी मदद करती हैं। साथ ही, वे उत्पादकों को बिक्री मूल्य में कटौती करने और उच्च बिक्री व लाभ सुनिश्चित करने में उनकी मदद करने के उद्देश्य से बिचौलियों को हटाकर उनके उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं को बेचने के लिए मंच भी प्रदान करती हैं।

शहर-गांव के विभाजन को पाटने और आय सृजन के अवसर पैदा करने में सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका को भी कम करके नहीं आंका जा सकता। वे बड़े उद्योगों को महत्वपूर्ण कच्चे माल और मध्यवर्ती सामान उपलब्ध कराने के कारण अर्थव्यवस्था की चालक भी हैं और भारत के बढ़ते निर्यात बाजारों में अहम योगदानकर्ता भी। सहकारी समितियों की सफलता की तमाम कहानियां हैं। डेरी सहकारी समितियों ने देश में दुग्ध क्रांति की शुरुआत की, जिससे निकला अमूल आज प्रचलित नाम बन गया है। इसी तर्ज पर कुछ महिलाओं द्वारा शुरू किया गया लिज्जत पापड़ हर घर में पहुंच रहा है। इफ्को और कृभको आदि महत्वपूर्ण संस्थाओं ने देश में कृषि क्रांति लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके अलावा, राज्य स्तर पर कई सहकारी समितियां, जैसे शहरी सहकारी बैंक, पैक्स, आवास और मत्स्य पालन सहित अन्य अनेक सहकारी समितियां, ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए अथक प्रयास कर रही हैं।

आज देश की आधी से ज्यादा आबादी निर्माता, उपभोक्ता, वित्तीय पोषण या किसी न किसी अन्य रूप में सहकारिता से जुड़ी हुई है, जिसमें सहकारी समितियां पैक्स के माध्यम से देश के 70 प्रतिशत किसानों को कवर करती हैं। देश में 33 राज्य स्तरीय सहकारी बैंक, 363 जिला स्तरीय सहकारी बैंक और 63,000 पैक्स हैं। इसके अलावा, देश के 19 प्रतिशत कृषि वित्त का प्रबंध सहकारी समितियों के माध्यम से किया जाता है। साथ ही 35 प्रतिशत उर्वरक वितरण, 30 प्रतिशत उर्वरक उत्पादन, 40 प्रतिशत चीनी उत्पादन, 13 प्रतिशत गेहूं की खरीद और 20 प्रतिशत धान की खरीद केवल सहकारी समितियों द्वारा की जाती है। लगभग 500 सहकारी समितियों को जेएम पोर्टल में भी पंजीकृत किया गया है, जिससे वे 40 लाख से अधिक विक्रेताओं से खरीदारी कर सकें। जिस तरह मोदी जी ने 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प के साथ हाल तक उपेक्षित रहीं सहकारी समितियों को देश के आर्थिक परिदृश्य में आगे लाने का काम किया है, उससे वे जल्द ही भारत के विकास इंजन की एक महत्वपूर्ण एवं अग्रणी कड़ी साबित होंगी।

विकसित भारत की दिशा दिखाता बजट, लोगों को कौशल प्रदान कर उनके सशक्तिकरण पर ध्यान

यह मोदी सरकार के मौजूदा कार्यकाल का आखिरी पूर्ण बजट था। तमाम लोगों ने इसी वजह से उम्मीद लगाई होगी कि मतदाताओं को लुभाने के लिए इसमें कर्ज माफी और मुफ्त उपहारों जैसी रेवड़ियां बांटने के लिए सरकार अपने खजाने का मुंह खोल देगी। ऐसे लोगों को निराशा ही हुई होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट से स्पष्ट है कि सरकार की प्राथमिकता तात्कालिक लाभ न होकर भविष्य पर केंद्रित है। राजनीतिक दबाव के बावजूद सरकार ने वित्तीय अनुशासन को लेकर प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

बजट दर्शाता है कि सरकार के लिए देश का भविष्य ही सर्वोपरि है। यह 1988-89 में आए एनडी तिवारी के उस 'सिंदूर बजट' के बिल्कुल उलट है, जो सिंदूर और काजल जैसी वस्तुओं पर प्रतीकात्मक कर रियायतों के चलते सुर्खियों में रहा था। यह बजट वास्तव में महिलाओं और युवाओं के सशक्तीकरण एवं प्रगति को समर्पित है। अमृत काल की ओर कूच करती सरकार देश को 2047 तक विकसित बनाने की राह तैयार कर रही है। भविष्य में निवेश करने वाला यह नए भारत का बजट है जो देश की नियति से साक्षात्कार कराने की प्रक्रिया में उसकी संभावनाओं को भुनाने के लिए तैयार किया गया है। बजट में 'सप्तर्षि' के रूप में सरकार की सात प्राथमिकताओं का दर्शन झलकता है। पहली प्राथमिकता समावेशी विकास की है। विगत नौ वर्षों से सरकार 'सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास' की अवधारणा के अनुरूप कार्य कर रही है। सरकार कृषि के लिए डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और अन्य गतिविधियों के जरिये किसानों को समृद्ध बनाना चाहती है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए पशुपालन, मत्स्य पालन और डेरी पर फोकस रखते हुए कृषि कर्ज का दायरा बढ़ाकर 20 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है। मोटे अनाजों को दिया प्रोत्साहन किसानों के लिए लाभदायक होने के साथ ही पोषण की पूर्ति करने में भी सहायक होगा। लोगों को रेवड़ियों के भरोसे राज्य पर आश्रित करने के बजाय सरकार लोगों को कौशल प्रदान कर उनके सशक्तिकरण पर ध्यान दे रही है।

बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। जैसे कि 157 नए नर्सिंग कालेज स्थापित किए जाएंगे। फार्मास्युटिकल्स में शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देने के साथ ही शिक्षकों के प्रशिक्षण का नया ढांचा तैयार किया जाएगा। बच्चों और किशोरों के व्यक्तित्व निर्माण में मददगार नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी बनाई जाएगी। इसकी सुविधा का लाभ कहीं से भी उठाया जा सकेगा। दूसरी प्राथमिकता अंतिम छोर तक पहुंच सुनिश्चित करने की है। इसके लिए सरकार दूर-दराज के दुर्गम और अल्पविकसित क्षेत्रों तक आवश्यक सुविधाएं पहुंचाने की दिशा में प्रयासरत है। इसमें जनजाति जैसे वंचित वर्गों के क्षेत्रों को वरीयता देने की बात कही गई है। आकांक्षी विकास खंड कार्यक्रम में स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और अन्य पहलुओं के आधार पर 500 विकास खंड शामिल किए हैं। जो गरीब कैदी जमानत राशि या हर्जाने की राशि चुकाने में अक्षम हैं, उन्हें वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

तीसरी प्राथमिकता दीर्घकालिक इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में निवेश से जुड़ी है। सरकार ने इस दिशा में पूंजीगत व्यय में 33 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी कर 10 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया है। यह वृद्धि को बल देने, रोजगार सृजन करने और निजी निवेश को साधने में सहायक होगा। इसमें राज्यों को प्रोत्साहन के लिए केंद्र ने उन्हें 50 वर्षों के लिए 1.3 लाख करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त कर्ज की पेशकश की है। रेलवे के लिए अभी तक का सर्वाधिक 2.40 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत आवंटन हुआ है। वहीं 75,000 करोड़ रुपये के निवेश से 100 महत्वपूर्ण परिवहन इन्फ्रा परियोजनाएं तैयार की जाएंगी। वायु परिवहन संपर्क को बेहतर बनाने के लिए भी 50 अतिरिक्त एयरपोर्ट और हेलीपोर्ट के साथ ही अन्य संबंधित सुविधाएं विकसित की जाएंगी। चौथी प्राथमिकता भारत से जुड़ी संभावनाओं को भुनाने की है। सरकार सुशासन, परिवहन, जवाबदेह प्रशासन और नागरिक कल्याण को लेकर प्रतिबद्ध है। कारोबारी सुगमता के लिए सरकार ने 39,000 अनुपालनों को घटाने और 3,400 विधिक प्रविधानों को गैर-आपराधिक प्रवृत्ति का बनाया है। पांचवीं प्राथमिकता सतत विकास के लिए हरित वृद्धि सुनिश्चित करने की है। इस दिशा में कार्बन उत्सर्जन और जीवाश्म ईंधन आयात पर निर्भरता घटाने के लिए 19,700 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। ऊर्जा संक्रमण और नेट-जीरो लक्ष्य की पूर्ति के लिए 35,000 करोड़ का प्रविधान किया है।

छठी प्राथमिकता के तहत युवाओं की क्षमताओं को नया आयाम देने के लिए सरकार ने पीएम कौशल विकास योजना 4.0, स्किल इंडिया डिजिटल प्लेटफार्म और नेशनल अप्रेंटिसशिप प्रमोशन स्कीम जैसी तमाम पहल की हैं। अब आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआइ और रोबोटिक्स जैसी आधुनिक तकनीकों में भी युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्हें भत्ते प्रदान करने के साथ ही नियोक्ताओं के साथ भी जोड़ा जाएगा। सातवीं प्राथमिकता उस वित्तीय क्षेत्र से जुड़ी है, जिसका सशक्त स्वरूप विकसित भारत के लिए अत्यंत आवश्यक है। वित्तीय सुधारों और तकनीकी उन्नयन ने वित्तीय समावेशन बढ़ाने के साथ बेहतर सुविधाएं दी हैं। बजट में एमएसएमई के लिए क्रेडिट गारंटी योजना के कायाकल्प के साथ ही नेशनल फाइनेंशियल इन्फार्मेशन रजिस्ट्री और वित्तीय क्षेत्र नियमनों को सरल किया है। कुल मिलाकर बजट से स्पष्ट है कि सरकार अगले 25 वर्षों में देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए पूरी तरह कटिबद्ध है।

संक्षिप्त समाचार

सात दिन में 10 प्रतिशत से ज्यादा घटा गेहूं का मूल्य, एफसीआई के जरिए खुले बाजार में बेचेगी सरकार

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि खुले बाजार में बिक्री के फैसले के बाद बीते एक सप्ताह में गेहूं के मूल्य में 10 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई है। बढ़ती कीमतों पर अंकुश के लिए सरकार ने 30 लाख टन गेहूं खुले बाजार में बेचने की घोषणा की थी। भारतीय खाद्य निगम (इण्ग्) ने इस सप्ताह आयोजित ई-नीलामी के पहले दो दिन में अबतक थोक खरीदारों को 2,474 रुपये प्रति क्विंटल की औसत दर से 9.2 लाख टन गेहूं बेचा है। कुल 30 लाख टन में से 25 लाख टन थोक उपभोक्ताओं मसलन आटा मिलों को, तीन लाख टन नेफेड जैसी संस्थाओं को और शेष दो लाख टन राज्य सरकारों को बेचा जाएगा।खाद्य मंत्रालय ने कहा कि ई-नीलामी ने पहले ही पिछले एक सप्ताह में गेहूं के बाजार मूल्य में 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट का असर डाला है। ई-नीलामी में बेचे जाने वाले गेहूं के उठाव और बाजार में गेहूं का आटा उपलब्ध कराने के बाद कीमतों में और गिरावट आना तय है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, दो फरवरी को गेहूं का औसत खुदरा मूल्य 33.47 रुपये प्रति किलोग्राम था और गेहूं के आटे की कीमत 38.1 रुपये प्रति किलोग्राम थी। वर्ष 2022 में इसी तारीख को, गेहूं और गेहूं के आटे का औसत खुदरा मूल्य क्रमशः 28.11 रुपये प्रति किलोग्राम और 31.14 रुपये प्रति किलोग्राम था।

लोकतंत्र का ध्रुव तारा है संसद, यह चर्चा करने की जगह है; व्यवधान उत्पन्न करने की नहीं: जगदीप धनखड़

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। अदाणी समूह को लेकर विपक्ष के संसद में भारी हंगामे के बीच उप राष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि संसद चर्चा करने की जगह है, व्यवधान उत्पन्न करने

की नहीं है। उन्होंने कहा कि संसद लोकतंत्र का ध्रुव तारा है। यही लोकतंत्र का मूल तत्व है राज्यसभा के सभापति ने शुक्रवार को सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि संसद में हमें नियमों के दायरे में काम करने की जरूरत है। यह व्यवधान की नहीं, चर्चा और तर्क-वितर्क की जगह है। इससे लोगों की प्रेरणा और सपने साकार होते हैं। लोकसभा और राज्यसभा स्थगित होने के चलते जगदीप धनखड़ ने सदन में सदस्यों से अपना निर्धारित कामकाज जारी रखने को कहा। हालांकि विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बाद उन्होंने सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।

आकाश बायजूस ने अपना दूसरा नया सेंटर खोला, स्थानीय छात्रों को डायरेक्ट और हाइब्रिड कक्षाएं प्रदान करेगा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। ग्रेटर नोएडा परीक्षा तैयारी सेवाओं में देश भर में अग्रणी, आकाश बायजूस ने एनईईटी, आईआईटी जेईई, ओलंपियाड कोचिंग और फाउंडेशनकोर्सेस की

बढ़ती मांग को देखते हुए ग्रेटर नोएडा (वेस्ट) में एक नया क्लासरूम सेंटर खोला है। आकाश बायजूस के राष्ट्रीय नेटवर्क में इस शाखा का जुड़ना मानकीकृत गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, आधुनिक बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी-सक्षम प्रणालियों का उपयोग करके पूरे भारत में छात्रों को सीखने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वर्तमान में 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 300द्ध सेंटर हैं। ग्रेटर नोएडा (पश्चिम) की प्राइम लोकेशन में से एक में, विशाल 9,000 वर्ग फुट में फैले, आकाश बायजूस, अशोका टॉवर, प्लॉट नंबर -42, टेकज़ोन -4, स्थित सेंटर में 11 क्लासरूम्स हैं जहाँ कनेक्टेड और स्मार्ट क्लासरूम की विशेषता के साथ 1000द्ध छात्रों को सीधे कक्षाएं प्रदान की जा सकती हैं। सेंटर अपने हाइब्रिड कोर्सेस के छात्रों को एक सहज सीखने का अनुभव भी प्रदान करेगा । नए सेंटर का उद्घाटन श्री संदीप धाम, सीओओ ने डॉ. यशपाल रीजनल डायरेक्टर, आकाश बायजूस और अन्य कंपनी अधिकारियों की उपस्थिति में किया। छात्र अपनी मार्कशीट साझा करके सह छात्रवृत्ति परीक्षा (आईएसीएसटी), एसीएसटी के लिए सीधे नामांकन कर सकते हैं या प्रवेश लेने के लिए इस वर्ष के अंत में आकाश बायजूस की नेशनल टैलेंट हंट परीक्षा (एंथे) के लिए पंजीकरण कर सकते हैं, जो संस्थान की प्रमुख वार्षिक छात्रवृत्ति परीक्षा है। ग्रेटर नोएडा में नए सेंटर के शुभारंभ के बारे में बात करते हुए, श्री अभिषेक माहेश्वरी, सीईओ, आकाश बायजूस ने कहा, ह्लआकाश बायजूस में, हम छात्र-केंद्रित शिक्षा को बढ़ावा देने में विश्वास करते हैं, जिसका अर्थ है जिसका अर्थ है जहाँ स्टूडेंट्स हैं वहां उनको शिक्षा प्रदान करना। हमारा मुख्य अंतर न केवल पाठ्यक्रम सामग्री की गुणवत्ता है बल्कि ये सुनिश्चित करना भी है कि ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड के बीच सही संतुलन बना रहे। संक्षेप में, हम अपने छात्रों के सीखने के अनुभव और परिणामों को बढ़ावा देने और उनके उच्च शिक्षा के सपनों को साकार करने में मदद करने के लिए वास्तविक और आभासी दोनों दुनिया के सर्वश्रेष्ठ की पेशकश करना चाहते हैं।ठ आकाश बायजूस के रीजनल डायरेक्टर डॉ यशपाल ने कहा, ह्लहम ग्रेटर नोएडा (वेस्ट) में अपना नया सेंटर खोलकर खुश हैं, जहां एनईईटी, जेईई और ओलंपियाड के सैकड़ों उम्मीदवार रहते हैं जो वास्तव में हमारी कोचिंग सेवाओं को चाहते और महत्व देते हैं, हमारे सभी सेंटर्स में ट्रेंड टीचर , मेंटर्स और काउंसलर हैं, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि पाठ्यक्रम वितरण का मानक हमेशा बना रहे, चाहे सेंटर किसी बड़े शहर से कितनी भी दूर क्यों न हो। छात्रों के लिए, उनके अपने स्थान पर एक प्रत्यक्ष सेंटर का अत्यधिक लाभ यह है कि विश्व स्तरीय कोचिंग अब उनके दरवाजे पर दस्तक दे रही है और उन्हें कभी भी कोचिंग के लिए अपने माता-पिता और परिवार को छोड़कर दूसरे शहर नहीं जाना पड़ेगा। आकाश बायजूस हर साल 3.30 लाख छात्रों को अपने डायरेक्ट और ऑनलाइन क्लासेज के माध्यम से एनईईटी, आईआईटी-जेईई, ओलंपियाड और फाउंडेशन प्रोग्राम्स के लिए परिणाम-उन्मुख कोचिंग सेवाएं प्रदान करता है। यह अपनी क्लाउड-आधारित ऑनलाइन कोचिंग सेवाओं को आगे बढ़ाते हुए विशेष रूप से टियर- घ्घ् और टियर- घ्घ्घ् शहरों और कस्बों के छात्रों को पूरा करने के लिए अपनी भौतिक उपस्थिति का तेजी से विस्तार कर रहा है।

सतना कोतवाली पुलिस ने थाना क्षेत्र मे सट्टा खिलाने वाले आरोपियो के अड्डे पर दबिश देकर आरोपियो के विरुद्ध की गई ताबडतोड कार्यवाहा

(आधुनिक समाचार सेवा)

सतना। पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र कुमार जैन एवं नगर पुलिस अधीक्षक महेन्द्र सिंह चौहान के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली उनि राजेन्द्र त्रिपाठी के नेतृत्व में की गई कार्यवाही घटना का विवरण- थाना क्षेत्र के विभिन्न

स्थानो पर सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा दबिश दी जाकर निम्नलिखित 03 आरोपियो के विरुद्ध पृथक पृथक सट्टा एक्ट की कार्यवाही की जाकर आरोपियो के कब्जे से नगदी एवं सट्टा पर्ची जप्त की गई है- **आरोपियो का विवरण-** 1.मुन्ना सिंह चौहान पिता रामानन्द सिंह चौहान उम्र 45 वर्ष निवासी राजेन्द्र नगर गली न0 6 थाना सिटी कोतवाली सतना 2.पवन यादव पिता मोहन यादव उम्र 39 वर्ष निवासी जवाहर नगर गली न0 4 थान सिटी कोतवाली सतना 3.कवि लोधी पिता स्व0 रामजी लोधी उम्र 32 वर्ष निवासी आजाद चौक गली न0 4 थाना सिटी कोतवाली सतना इसी प्रकार दिनांक 03.02.2023 को थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानो पर सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा दबिश दी जाकर निम्नलिखित 10 आरोपियो के विरुद्ध पृथक पृथक 10 प्रकरण सट्टा एक्ट के तहत तैयार किए जाकर आरोपियो के कब्जे से नगदी एवं सट्टा पर्ची जप्त की गई है- **आरोपियो का विवरण-** 1.नीलू साकेत पिता छेदीलाल साकेत उम्र 30 वर्ष निवासी रामना टोला थाना सिटी कोतवाली सतना 2.अमर खटिक पिता संतोष खटिक उम्र 25 वर्ष निवासी झूलेलाल मंदिर के पास थाना सिटी कोतवाली सतना 3.अंकुर बेलदार पिता रमेश बेलदार उम्र 26 वर्ष नि0 बजरहा टोला थाना सिटी कोतवाली सतना 4.सुमित गाजरानी पिता दिलीप गाजरानी उम्र 25 वर्ष निवासी रामना टोला वार्ड क्रमांक 36 थाना सिटी कोतवाली सतना 5.रजनीश चौधरी पिता रामनाथ साकेत उम्र 21 वर्ष निवासी रामना टोला थाना सिटी कोतवाली सतना 6.वीरेन्द्र जाटव पिता स्व0 अच्छेलाल जाटव उम्र 35 वर्ष निवासी बजरहा टोला थाना सिटी कोतवाली सतना 7.शेख पीरू पिता शेख मुख्ताख उम्र 36 वर्ष निवासी गढिया टोला थाना सिविल लाईन सतना 8. प्रमोद गुप्ता उर्फ मुन्ना पिता स्व0 केदार प्रसाद गुप्ता उम्र 58 वर्ष निवासी टिकुरिया टोला थाना कोलगवाँ सतना 9.रमेश बाघवानी पिता बिहारी लाल बाघवानी उम्र 70 वर्ष निवासी कामता टोला डालीबाबा सतना 10.विनोद गुप्ता पिता राजेश गुप्ता उम्र 40 वर्ष नि0 लखन चौराहा थाना कोलगवाँ सतना उक्त सभी आरोपियो के विरुद्ध एवं सट्टा खेलने वालों के विरुद्ध 22 व्यक्तियो के विरुद्ध धारा 151 जा.फौ. के तहत गिरफ्तार कर पेश एसडीएम कोर्ट सतना किया गया है।

मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के हित लाभों का वितरण विकास यात्रा में करायें अधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

शहडोल। व्यौहारी से दुर्गेश कुमार गुप्ता कि रिपोर्ट सेक्टर अधिकारी सौंपे गये दायित्वों का करें निर्वहन- श्री हिमांशु चंद्र समय-सीमा की बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों को नोटिस देने के निर्देश शहडोल 30 जनवरी 2023- मुख्यमंत्री जन

सेवा के दौरान जनहितकारी योजनाओं से लाभान्वित हितलाभों का वितरण विकास यात्रा में कराने सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के लिये अधिकारी समीक्षा करें और क्षेत्र का भ्रमण करते हुए दो दिवस के अंदर सभी व्यवस्थाए सुनिश्चित कराये। इसी प्रकार सभी सेक्टर अधिकारी अपने सेक्टर के संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक लेकर 5 फरवरी से 25 फरवरी 2023 तक होने विकास यात्रा की सभी तैयारियां इस प्रकार सुनिश्चित करें कि विकास यात्रा जिन ग्रामों में पहुंचे वहां रंगोली आदि बनाकर उनका स्वागत किया जाए तथा पीले चावल से जनता को आमंत्रित किया जाए, पूरा कार्यक्रम गरिमामय तरीके से मनाने के पूरे मनोयोग से प्रयास किये जाए, इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नही की जाएगी। विकास यात्रा के लिये विधानसभावार नोड़ल अधिकारी संबंधित अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं सहायक नोड़ल अधिकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी ब्लाक जनपद एवं नगरपालिका अधिकारी होंगे। विकास यात्रा में आसपास के ग्रामों के लोंगो को भी आमंत्रित करें। उक्त निर्देश आज प्रभारी कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्र ने समय-सीमा की बैठक में अधिकारियों को दिये।बैठक में प्रभारी कलेक्टर ने परियोजना अधिकारी एनआरएलएम को निर्देशित किया कि जिन ग्रामों में विकास यात्रा ठहरेगी वहां स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाए साथ ही स्थानीय लोंगो के सफलता की कहानी भी बताई जाए। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति की शपथ दिलाई जाए। बैठक में प्रभारी कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी विभाग लंबित प्रकरणों का विधिवत निराकरण करें और यह प्रयास करे कि ए-ग्रेड़ आये और जिला भी प्रदेश में अग्रणी स्थान पर आ सकें। बैठक में प्रभारी कलेक्टर ने बिना सक्षम अधिकारी के अनुमति के अनुपस्थित अधिकारियों को समय-सीमा की बैठक में अनुपस्थित रहने पर कारण बताओं नोटिस देने के निर्देश दिये। बैठक में प्रभारी कलेक्टर ने समाधान ऑनलाइन के लंबित शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये। प्रभारी कलेक्टर ने धान उपार्जन की जानकारी लेते हुए जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक को निर्देश देते हुए कहा कि शत-प्रतिशत किसानों की फसल की राशि का भुगतान समय पर किया जाए। बैठक में प्रभारी कलेक्टर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिये कि मृत व्यक्तियों का नाम बीपीएल सूची से विलोपित करें। बैठक में प्रभारी कलेक्टर ने संबल-02 में पंजीयन व प्रकरणों की निराकरण की समीक्षा की और सभी सीएमओ एवं सीईओ को निर्देश दिये कि शत-प्रतिशत पंजीयन के साथ-साथ अनुग्रह राशि का भुगतान कराना सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 आरएस पाण्डेय, कार्यपालन यंत्री पीएचई श्री एबी निगम, जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक श्री विपिन पटेल, मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री अमित तिवारी, एलडीएम श्री एससी माझी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थें।

कैंसर का सफल इलाज संभव है

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। कैंसर रोग के प्रति लोगों को जागरुक करने के लिए हर साल 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है। यह एक ऐसी बीमारी है, जिसके बारे में लोगों को शुरुआत में पता नहीं चल पाता है हमारे यहां लोग अपने शरीर में होने वाले परिवर्तन या इस बीमारी के शुरू में लक्षणों के झूठ जागरुक नहीं हैं। जब तक तक वो समझ पाते हैं बीमारी काफी बढ़ जाती है। मेट्रो अस्पताल में डायरेक्टर एंड हेड मेडिकल ऑन्कोलॉजी हिमेटोलॉजी ऑन्कोलॉजी डॉ. आरके चौधरी ने बताया कि कैंसर का नाम सुनकर भले ही लोगों के मन में सिहरन उठती हो। मन घबरा जाता है, परिवार मानसिक रूप से कमजोर पड़ जाता है। पर बहुत से लोगों ने कैंसर से मुकाबला किया और जीत हासिल की। हिम्मत और हौसले के बूते कैंसर जैसी घातक बीमारी पर जीत हासिल की। यह विजेता 10 से 15 साल बाद भी सामान्य लोगों की तरह सेहतमंद जीवन जी रहे हैं। उन्होंने बताया कि शरीर कई प्रकार की कोशिकाओं से बना होता है, जो शरीर में बदलावों के कारण बढ़ती रहती हैं लेकिन जब ये कोशिकाएं अनियंत्रित तौर पर बढ़ती हैं और पूरे शरीर में फैल जाती हैं, तब यह शरीर के अन्य हिस्सों को उनका काम करने में कठिनाइयां उत्पन्न करने लगती हैं। इससे उन हिस्सों पर कोशिकाओं का गुच्छा गांठ या ट्यूमर बन जाता है। जिस अवस्था को कैंसर कहते हैं। यही ट्यूमर घातक होता है और लगातार बढ़ता रहता है। उन्होंने कहा कि कैंसर अब लाइलाज नहीं है बल्कि समय से पहचान होने पर सफल इलाज संभव है। कैंसर दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य कैंसर के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना और रोग का जल्दी पता लगाने की जरूरत तथा कैंसर के उपचार पर ध्यान केंद्रित करना है। सीनियर कंसलटेंट रेडिएशन ऑन्कोलॉजी डॉ. पियूषा कुल्श्रेस्ठ ने बताया कि यदि हम अपने स्वास्थ्य को लेकर सजग रहें और समय-समय पर डॉक्टर की सलाह से चेकअप कराते रहें तो बीमारी का समय से पता चलने पर इलाज भी संभव है। विदेशों में ये बीमारी हमारे

देश से ज्यादा है परंतु इससे होने वाली मृत्यु दर कम है। इसका करना है कि वो हमसे अपने स्वास्थ्य और शरीर को लेकर बहुत ज्यादा जागरूक हैं। उनका सामाजिक समर्थन हमसे ज्यादा अच्छा है। यह बीमारी केवल एक व्यक्ति के बीमारी नहीं है, बल्कि मरीज का पूरा परिवार इसका दर्द झेलता है। इस बार वर्ल्ड कैंसर डे की थीम है क्लोज द केयर गैप इसका मतलब है कि हमारे पड़ोसी या समाज में अगर कोई मरीज हैं तो हम जिस भी तरीके से उन की मदद कर सकते हैं वो हमारा समय हो, नैतिक समर्थन हो या फाइनेंशियल हो, यह कैंसर से लड़ाई में बहुत जरूरी है। दुनिया में अनेक लोग कैंसर को हराकर सुखी जीवन जी रहे हैं। मेरे अपने पिता भी इसका एक उधार है। उनको थर्ड स्टेज का कैंसर था। पिछले 18 सालों से बिल्कुल ठीक हैं। कैंसर का शुरुआती स्टेज में पता चलने पर सर्जरी या रेडियो व कीमोथैरेपी से जड़ से खत्म किया जा सकता है। जहां महिलाओं में ब्रेस्ट में गांठ का होना, ब्रेस्ट से रक्त या किसी तरल पदार्थ का निकलना, ब्रेस्ट की बनावट में बदलाव आना जैसे लक्षण देखते हैं। वहीं बच्चेदानी और बच्चे दानी के मुख के कैंसर के लक्षण में पीरियड के बीच में ब्लड आना या माहीना बैंड (रजोनिवृत्ति) होने के बाद फिर से ब्लीडिंग होना शामिल है। कैंसर के उपचार के विकल्प के रूप में सर्जरी, कैंसर की दवाएं या रेडियोथेरेपी, कीमोथेरेपी शामिल हैं। भारतीय पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर जबकि महिलाओं में स्तन कैंसर का खतरा सबसे अधिक रिपोर्ट किया जाता रहा है। आमतौर पर 60 साल से अधिक आयु के पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर का जोखिम सबसे अधिक देखा जाता है, हालांकि यह कम उम्र के लोगों को भी प्रभावित कर सकता है। वहीं महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का जोखिम अधिक रहता है। मैमोग्राम के माध्यम से इसका जल्दी पता लगाने में मदद मिलती है। मेट्रो अस्पताल की यूनिट हेड डॉ. कनिका कंवर ने बताया कि कैंसर के कारण में तंबाकू के सेवन से, शराब और सिगरेट का सेवन करना, इन्फेक्शन, मोटापा, सूरज की अल्ट्रा वायलेट किरणों और खराब लाइफस्टाइल कैंसर की प्रमुख वजहें हैं। कैंसर की आमतौर पर चार मुख्य स्टेज होती हैं। पहली और दूसरी अवस्था में कैंसर का ट्यूमर छोटा होता है या कैंसर सीमित जगह पर होता है। यह टिश्यूज़ की गहराई में नहीं फैलता। तीसरे स्टेज में कैंसर विकसित हो जाता है और ट्यूमर का आकार भी बढ़ सकता है या फिर कई ट्यूमर हो सकते हैं। शरीर के अन्य अंगों में इसके फैलने की संभावना बढ़ जाती है। चौथी और आखिरी स्टेज में कैंसर अपने शुरुआती हिस्से से अन्य अंगों में फैल जाता है। जिसे मेटास्टेटिक कैंसर कहा जाता है। डॉ. संग्राम सिंह साहू ने बताया कैंसर की बीमारी पूरे विश्व में तेजी से बढ़ रही है। हमारे पास इस बीमारी को लेकर एडवांस तकनीक से इलाज उपलब्ध है, परंतु कई बार मरीज के अस्पताल देर से पहुंचने या भ्रमित होकर इधर-उधर भटकने से बीमारी बढ़ जाती है। इसकी वजह से कहीं न कहीं स्वस्थ होने की दर में गिरावट आ जाती है। कैंसर से बचाव के तरीके -डिब्बों में बंद रेडीमेड खाना न खाएं। -लाल मीट न खाएं और नियमित व्यायाम करें। -तंबाकू से बने उत्पादों और शराब का सेवन न करें। -नियमित रूप से व्यायाम करें और सफाई का ध्यान रखें। कैंसर के लक्षणः - खांसी जो ठीक न हो,हड्डियों में दर्द,मुंह में ठीक न होने वाला छाला होना,लगातार बुखार आना,अचानक वज़न कम होना,शरीर में मुख्य स्टेन मेन, किसी स्थान पर गांठ होना जिसमें दर्द न हो,महिलाओं में बिना माहवारी के भी ब्लड आना आदि।

जीएल बजाज के विद्यार्थियों ने जाने ट्रैफिक के नियम

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। स्थित जीएल बजाज इन्स्टीट्यूट आफ मैनेजमेण्ट एण्ड रिसर्च के पीजीडीएम विभाग के द्वारा भारतीय उद्योग परिसंघ व यंग

इण्डियन्स (नोएडा) के सहयोग से सड़क सुरक्षा एवं यातायात (ट्रैफिक) के नियम विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नोएडा के ट्रैफिक इन्सपेक्टर आशुतोष कुमार, ट्रैफिक सब इन्सपेक्टर राकेश कुमार ने मुख्य अथिति के रूप में भाग लेकर कार्यक्रम का सुभारम्भ किया। आशुतोष कुमार ने सड़क सुरक्षा विषय को लेकर कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भारत सड़क दुर्घटना में विश्व में तीसरे नंबर पर है। इसमें सुधार लाने के लिए हमें कई स्तरों पर काम करने की जरूरत है। जिसमें सड़क सुरक्षा आम लोगों में जागरूकता लाने में सबसे अहम भूमिका निभाता है। क्योंकि देखा गया है कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं लोगों द्वारा फोन पर बात करते वक्त होती है। इसलिए जरूरी है कि चाहे हम वाहन चला रहे हो या पैदल चल रहे हो, हमें मोबाइल का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। अतिरिक्त हेड कान्सटेबल प्रदीप कुमार और मोडित राठी ने यातायात में असावधानी के कारण हुई दुर्घनाओं पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को ट्रैफिक सुरक्षा हेतु कई नियम व सुझाव के बारें में बताया। उन्होंने छात्रों को ट्रैफिक सुरक्षा नियमों को पालन करने हेतु शपथ भी दिलवाई। कॉलिज की निदेशक डॉ0 सपना राकेश ने कहा कि हर एक व्यक्ति का जीवन अमूल्य है आपकी जितनी आवश्यकता आपके परिवार को है उतनी ही देश को है इस लिए यातायात के उलंघन से होने वाली दुर्घटनाओं से बचें। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र में छात्रों व शिक्षकों ने सड़क सुरक्षा को लेकर कई सवाल भी किए जिनके जवाब अपर पुलिस अधीक्षक ने बड़ी उत्सुकता के साथ दिए। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन डॉ0 प्राची अग्रवाल और डॉ0 अरविन्द कुमार भट्ट ने किया। अंत में निदेशक सपना राकेश ने सभीअतिथियों का अभिवादन करते हुए आयोजन में भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया।

ट्रक ने अचानक लगाई ब्रेक श्रद्धालुओं से भरी बस टकराई 3 जख्मी

(आधुनिक समाचार सेवा)

लोहंदा । सैनी थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग लोहंदा मोड़ के पास आज लगभग 4:30 बजे सुबह अजमेर शरीफ से दर्शन कराकर पश्चिम

बंगाल जा रही श्रद्धालुओं से खचाखच भरी टूरिस्ट बस संख्या डब्ल्यू बी 51 ए 4205 आगे जा रहे ट्रक ने अचानक ब्रेक ले लेने के कारण टूरिस्ट बस दुर्घटना ग्रस्त हो गई जिससे बस में सवार रशीदा बेगम कमरुल बेगम रोशनी बेगम 7 वर्षीय एक बालक सहित बस चालक विजय कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। जब तक लोग कुछ समझ पाते तब तक ट्रक चालक घटनास्थल से ट्रक सहित फरार हो गया। सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही सैनी थाना प्रभारी भुवनेश्वर चौबे मय पुलिस फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंच सभी घायलों को संसाधन की व्यवस्था कराकर सिराथू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए भर्ती कराया।बाकी श्रद्धालुओं को नजदीक के होटल में रुकने की व्यवस्था पुलिस द्वारा करवाई दी गई। श्रद्धालुओं से मिली जानकारी के अनुसार 19 जनवरी को पश्चिम बंगाल से अजमेर शरीफ दर्शन के लिए टूरिस्ट बस द्वारा 59 श्रद्धालु गए थे। जो पश्चिम बंगाल वापस जा रहे थे।

बीजेपी हासिल करेगी जीत', येदियुरप्पा ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर की भविष्यवाणी

(आधुनिक समाचार सेवा)

बेंगलुरु। कर्नाटक के आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता बी एस येदियुरप्पा ने शनिवार को भरोसा जताया है कि पार्टी राज्य में पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं और नेताओं से आग्रह किया कि वे राज्य और केंद्र सरकार के कार्यक्रमों को घर-घर ले जाएं और विशेष ध्यान महिलाओं, युवाओं और अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति का समर्थन हासिल करने पर केंद्रित करें। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने यह भी कहा कि कांग्रेस के सांप्रदायिक राजनीति के बल पर सत्ता में आने के दिन गए। उन्होंने कहा, 'विधानसभा चुनाव 10-12 अप्रैल से पहले होने की उम्मीद है। इस चुनाव में 130-140 सीटें जीतकर भाजपा को स्पष्ट बहुमत से सरकार बनाने से कोई नहीं रोक सकता।' कांग्रेस नेताओं सिद्धरमैया और डी के शिवकुमार पर निशाना साधते हुए येदियुरप्पा

ने कहा, 'मैं कांग्रेस नेताओं से पूछना चाहता हूं कि क्या राहुल गांधी आपके नेता हैं? हमारे (भाजपा) पास प्रधानमंत्री जैसा मजबूत नेता है। नरेंद्र मोदी, जिन्हें विश्व स्तर पर प्यार और सम्मान दिया जाता है।' मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में, इसमें कोई संदेह नहीं है कि बीजेपी आगामी सभी चुनावों में जीत हासिल करेगी, जिसमें कर्नाटक भी शामिल है। येदियुरप्पा बेंगलुरु में भाजपा की विशेष कार्यकारिणी की बैठक में शामिल हुए, जहां उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक भी घर ऐसा नहीं हो सकता जहां केंद्र और राज्य सरकार के कार्यक्रम नहीं पहुंचे हों और 17 फरवरी को राज्य के बजट में और लोगों के अनुकूल कार्यक्रमों और योजनाओं की उम्मीद है। उन्होंने दावा किया कि कर्नाटक में भाजपा को सत्ता में आने से कोई नहीं रोक सकता और हम कम से कम 130-140 सीटें जीतने में सक्षम होंगे। येदियुरप्पा ने आगामी चुनाव को देखते हुए फैसला किया है कि इस चुनाव के लिए धर्मेंद्र प्रधान और अन्नामलाई कर्नाटक के प्रभारी और सह-प्रभारी होंगे। अन्नामलाई भी सक्षम हैं। धर्मेंद्र प्रधान बहुत वरिष्ठ नेता हैं। हमारी पार्टी को चुनाव जीतने में मददगार होगा।

सूर्यगढ़ पैलेस ने कंफर्म किया सिद्धार्थ और कियारा की शादी का वेन्यू, खुश हुए फैंस

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बॉलीवुड के सबसे क्यूट कपल सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की शादी को लेकर काफी बज है। ये दोनों हैं कि मीडिया के साथ कुछ शेयर नहीं कर रहे है और इनके फैंस हैं जो शादी के

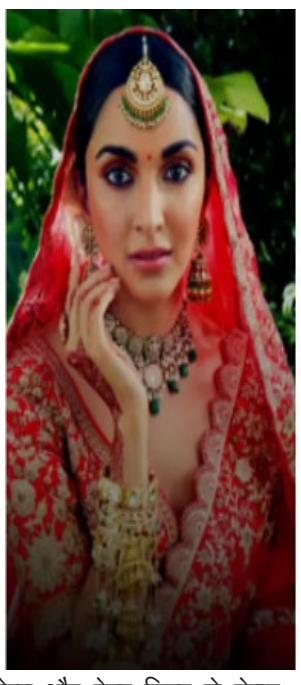

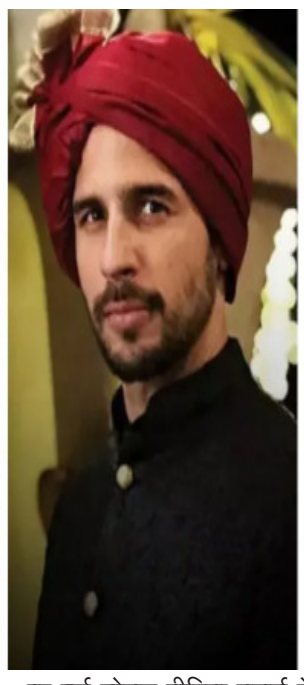

वेन्यू और गेस्ट लिस्ट से लेकर सब कुछ जान लेना चाहते हैं। तो कियारा, सिद्धार्थ के चाहने वालों के लिए खुशखबरी है, इस शादी को लेकर पहला कंफर्मेशन आ चुका है सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की शादी का फंक्शन 4-6 फरवरी के बीच होगा। ये पक्का हुआ है क्योंकि सूर्यगढ़ पैलेस जैसलमेर के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल ने डी-डे के बारे में डिटेल शेयर करने वाले एक पैपराजी के पोस्ट पर रिएक्शन दिया है। खबर है कि ये जोड़ा जैसलमेर में शादी के बंधन में बंधने वाला है। इस शादी में शाहिद कपूर, उनकी पत्नी मीरा राजपूत, करण जौहर और मनीष मल्होत्रा सहित लगभग 100 मेहमानों शामिल होंगे। दरअसल, फोटोग्राफर विरल भयानी ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर साझा किया था, 'हम कियारा और सिद्धार्थ की शादी को कवर करने के लिए जैसलमेर जा रहे हैं। हम कल लैंड करेंगे और फिर जीप लेकर जैसलमेर जाएंगे। जो लोग जैसलमेर के लिए सीधे चार्टर्ड उड़ानें नहीं लेने वाले हैं, ऐसे सेलेब्स को कवर करने के लिए हमारी एक टीम जोधपुर हवाई अड्डे पर इंतजार करेगी। हमें नहीं पता कि हमें क्या मिलने वाला है, लेकिन हम ठंड के मौसम को संभालेंगे और अपनी बेस्ट कोशिश करेंगे।' ये शादी 4 से 6 फरवरी के बीच सूर्यगढ़ पैलेस में शादी होगी। विरल भयानी के इस पोस्ट पर कई सोशल मीडिया यूजर्स ने इस कपल को ना परेशान करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इस स्पेशल डे पर आपको इनकी प्राइवेसी का सम्मान करना चाहिए। एक ने कमेंट में लिखा था, 'अरे, प्लीज आप इन्हें ही अपनी तस्वीरें पोस्ट करने दें। उनकी शादी खराब न करें कृपया आप सभी से विनम्र अनुरोध है कि उनकी निजता का सम्मान करें।

पवन सिंह की पत्नी ने तलाक के बीच किया चौंकाने वाला पोस्ट कहा- 'पिछले साल खौफ था कि

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह आज किसी

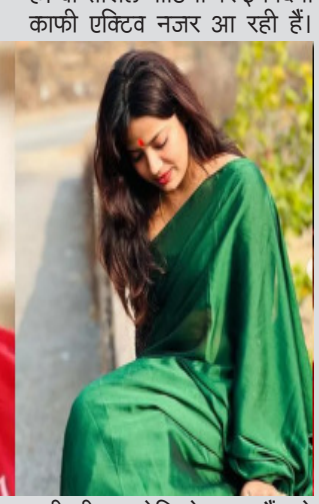

पहचान के मोहताज नहीं है। पवन एक बेहतरीन एक्टर होने के साथ एक जाने-माने सिंगर भी हैं, लेकिन वो प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहते हैं। पवन सिंह बीते दिनों अपनी शादी और तलाक को लेकर काफी विवादों में रहे हैं। तलाक की खबरों के बाद पवन की पत्नी ज्योति सिंह सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में आ गई हैं। वो सोशल मीडिया पर इन दिनों काफी एक्टिव नजर आ रही हैं। इसी बीच ज्योति ने एक चौंकाने वाला पोस्ट शेयर किया है, जो अब हर किसी को हैरान कर रहा है। पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में ज्योति ग्रीन कलर की साड़ी में नजर आ रही हैं। फोटो में ज्योति पोज देती दिख रही हैं। ज्योति की तस्वीर से कहीं ज्यादा इसके साथ शेयर किया गया कैप्शन चर्चा में बना हुआ हैं। इस फोटो के साथ ज्योति ने कैप्शन में लिखा, 'पिछले साल खौफ था कि तुझे खो ना दूं... इस साल दुआ है कि तेरे सामने ही ना आऊं।' ज्योति का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ज्योति सिंह के इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर पवन सिंह के फैंस उन्हें जमकर खरी-खोटी सुना रहे हैं। लोग पवन को स्पोर्ट करते दिख रहे हैं। इस पर कमेंट कर एक यूजर ने लिखा, 'आपकी वजह से पवन भैया को सुनना पड़ता है।' एक ने लंबा चौड़ा पोस्ट लिखते हुए कहा, 'आप लोग मिल के क्यों नहीं रहते अगर गलती पवन भैया से हुई है तो एक बार आप बात तो कीजिए। समाज में आपका और पवन भैया का नाम बदनाम हो रहा है क्या इस पर आपको जरा सा भी ध्यान नहीं जाता।' एक ने लिखा, 'भाभी जी अगर मेरे बस का बात होता तो मैं आप दोनों को एक साथ कर देता, लेकिन अफसोस मेरी आप दोनों से यही दुआ है कि आप दोनों एक हो जाओ प्लीज।

शादी के दौरान हुई इस गलती ने मसाबा के लिए खड़ी की मुसीबत, एक्ट्रेस बोलीं- 'ये कोई मजाक नहीं है'

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। सेलिब्रिटी ड्रेस डिजाइनर और एक्ट्रेस मसाबा गुप्ता पिछले कुछ दिनों से अपनी शादी को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में

अपने ब्वॉयफ्रेंड और एक्टर सत्यदीप मिश्रा संग शादी की है। दोनों की वेडिंग सेरेमनी बेहद प्राइवेट रखी गई थी, जहां सिर्फ करीबी लोगों को ही इनवाइट किया गया था। अब मसाबा ने शादी के दौरान उनसे हुई गलती का खुलासा किया है, जिसकी सजा उन्हें अब भुगतनी पड़ रही है। दरअसल, शादी के पहले मसाबा गुप्ता खास तरह की डायट फॉलो कर रही थीं। एक्ट्रेस ने लगातार 30 दिनों तक मीठी चीजों से दूरी बनाकर रखी थी, लेकिन शादी के दिन उन्होंने काफी सारा वेडिंग केक खा लिया, जो अब उनके लिए परेशानी खड़ा कर रहा है क्योंकि उन्हें एक्ने की समस्या हो गई है। मसाबा के लिए खड़ी हुई मुश्किल मसाबा गुप्ता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन में खुद की एक तस्वीर शेयर की है। तस्वीर में एक्ट्रेस अपने चेहरे के एक्ने दिखा रही हैं। पोस्ट के साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, ठक्विक स्किन अपेडट और मेरी सीख, जो 30 दिनों तक मीठा छोड़ने और फिर वेडिंग डे पर ढेर सारा केक खाने के बाद मिली। एक हफ्ते में एक बार से ज्यादा मीठा न खाना ही बेहतर है, मैं आज से मेरा नो शुगर रूटीन शुरू कर रही हूं। शुगर से एक्ने होते हैं और ये कोई मजाक नहीं है।एक्ट्रेस ने आगे कहा, हाई स्ट्रेस, खाने और सोने का शेड्यूल बिगड़ने पर मेरी स्किन की हालत कुछ ऐसी हो गई है।

एयर होस्टेस संग इमरान हाशमी कर रहे थे डांस, अचानक बीच में आ गए अक्षय, कहा- मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार और इमरान हाशमी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म

'सेल्फी' को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। 'सेल्फी' के ट्रेलर के बाद हाल ही में इस फिल्म का पहला गाना 'मैं खिलाड़ी' रिलीज हुआ है। इस गाने को दर्शकों ने खूब पसंद किया। वहीं, सोशल मीडिया फैंस ही नहीं बल्कि मूवी के कलाकार भी इस गाने पर रील्स बना रहे हैं। 'मैं खिलाड़ी' गाने पर हाल ही में अक्षय ने टाइगर श्रॉफ के साथ एक डांस वीडियो शेयर किया था। वहीं, अब एक नया वीडियो वायरल हो रहा है। अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में अक्षय के साथ इमरान हाशमी और एक एयर होस्टेस नजर आ रही हैं। इस वीडियो में एक्टर अपने को- स्टार इमरान हाशमी संग 'सेल्फी' फिल्म के सबसे फेमस सॉन्ग 'मैं खिलाड़ी' पर थिरकते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं इन दोनों के साथ एक खूबसूरत सी एयर होस्टेस भी इसी गाने पर डांस करती दिख रही हैं। इस वीडियो को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं अब तक इसे काफी बार देखा जा चुका है। आपको बता दें कि इससे पहले अक्षय कुमार ने एक्टर टाइगर श्रॉफ के साथ एक वीडियो शेयर किया था। दोनों ही 'सेल्फी' के 'मैं खिलाड़ी' गाने पर जबरदस्त डांस करते नजर आए थे। वीडियो में दोनों ब्लैक अटायर में ट्विनिंग करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए अक्षय ने कैप्शन में लिखा था, 'तो टाइगर श्रॉफ ने मेरे साथ 'मैं खिलाड़ी' पर परफॉर्म किया और ये हो गया!! कैसा रहेगा अगर आप अपने बेस्टी के साथ 'मैं खिलाड़ी' पर रील बनाएं मैं दोबारा पोस्ट करूंगा।

अर्चना को सपोर्ट करते हुए यूजर्स ने लगाई मेकर्स को फटकार, दिलाई सिद्धार्थ और गौतम की याद

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बिग बॉस सीजन 16 अब एक ऐसे पड़ाव पर पहुंच चुका है, जहां मेकर्स का किसी भी तरह का भेदभाव सोशल मीडिया पर यूजर्स को रास नहीं आ रहा है। समर्थन देते हुए उन्हें बिग बॉस सीजन 16 की ट्रॉफी का असली हकदार बता रहे हैं और उनके घाव की फोटो शेयर कर रहे हैं। एक यूजर ने टॉर्चर टास्क की वीडियो क्लिप शेयर करते हुए लिखा, 'ये

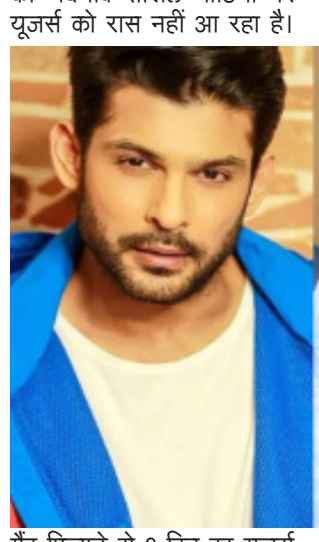

ग्रैंड फिनाले से 9 दिन दूर यूजर्स भी सोशल मीडिया पर अपने पसंदीदा कंटेस्टेंट को गेम शो जिताने के लिए जीतोड़ मेहनत कर रहे हैं। बिग बॉस हाउस में हाल ही में टॉर्चर टास्क खेला गया। इस दौरान निमृत कौर अहलूवालिया की आंखों में हल्दी डालने के लिए अर्चना को काफी ट्रोल किया गया। अब सोशल मीडिया पर फैंस अर्चना के सपोर्ट में उतर गए हैं और मेकर्स को सिद्धार्थ शुक्ला और गौतम गुलाटी के सीजन की याद दिला रहे हैं। एक तरफ जहां निमृत कौर अहलूवालिया को सहानुभूति दिखाते हुए कुछ सितारे अर्चना को अमानवीय बता रहे हैं, तो वहीं यूजर्स अर्चना गौतम को अपना इंसानियत की बात करते हैं, एक बार अर्चना गौतम के चेहरे की तरफ देख लो जरा। अर्चना अभी भी हल्दी का इस्तेमाल कर रही है, जोकि एक घरेलू उपाय है। लेकिन शिव-निमृत और एमसी स्टैन ने डिटर्जेंट पाउडर मिलाकर तीनों के फेस पर फेंका है'। जब बिग बॉस ने इस कार्य को बिग बॉस ने रद्द किया और मंडली के साथ अपनी सहानुभूति दिखाई, तो यूजर्स ने उन्हें बिग बॉस सीजन 13 में सिद्धार्थ शुक्ला के साथ हुए टास्क की याद दिला दी। एक यूजर ने उनकी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'क्या आपको याद है, ऐसा ही कुछ सिद्धार्थ के साथ सीजन 13 में हुआ था। उसने इस टास्क को कितने अच्छे से खेला और अपनी ही टीम ने उसे धोखा दिया। अर्चना ने टास्क में सबकी खटिया खड़ी कर दी है'। आपको बता दें कि सीजन 8 में भी करिश्मा तन्ना ने टास्क के लिए गौतम गुलाटी पर मिर्ची लगाई थी। इस टास्क के बाद वीकेंड के वार में करण जौहर भी अर्चना गौतम पर गुस्साते हुए नजर आए। अर्चना गौतम ने जब अपनी बात को सामने रखने की कोशिश की, तो करण ने उन्हें बीच में ही टोक दिया और शिव ठाकरे की आंख देखने के लिए कही। आपको बता दें कि अर्चना गौतम टॉप 4 फाइनलिस्ट की लिस्ट में अपनी जगह बना चुकी हैं और लोग प्रियंका और शिव से ज्यादा उन्हें डिजर्विंग कंटेस्टेंट बता रहे हैं।

रेखा ने मुझे उस फिल्म से बाहर निकलवाया सालों बाद अरुणा ईरानी का चौंकाने वाला खुलासा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। अभिनेत्री अरुणा ईरानी लगभग पांच दशकों से फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रही हैं। बॉलीवुड के कई सुपरस्टार संग उन्होंने स्क्रीन शेयर किया है। कॉमेडी से लेकर ड्रामा तक, अभिनेत्री ने हर जॉनर में अपनी खूबसूरत एक्टिंग का प्रदर्शन किया। रेखा ने छीनी फिल्म अरुणा ईरानी हाल ही में न्यूज

एजेंसी एएनआई के पोडकास्टा का हिस्सा बनीं। जहां उन्होंने अपनी पर्सनल से लेकर प्रोफेशनल लाइफ तक कई मुद्दों पर बात की। इनमें से एक है फिल्म मंगलसूत्र से एवरग्रीन एक्ट्रेस रेखा का उनको बाहर करवा देना। अरुणा ईरानी ने बातचीत में बताया कि 1981 में आई फिल्म मंगलसूत्र से उन्हें अचानक बाहर कर दिया गया था। उन्होंने आगे बताया कि इसके पीछे की वजह फिल्म की लीड एक्ट्रेस रेखा थीं, उन्होंने ही प्रोड्यूसर से उन्हें बाहर करने के लिए कहा था। प्रोड्यूसर ने बताई रेखा की सच्चाई अरुणा ईरानी ने कहा, ठरेखा मेरी बहुत अच्छी दोस्त थीं। मंगलसूत्र करके एक फिल्म थी, जिसमें मैं एक्टर की पहली पत्नी का किरदार निभा रही थी, जो मरने के बाद भूत बन जाती है, जबकि रेखा इस फिल्म में दूसरी पत्नी का किरदार निभा रही थीं। जब उन्होंने मुझे कास्ट किया तो रेखा ने मुझे फिल्म से बाहर करवा दिया। जब मैंने प्रोड्यूसर के पास जाकर पूछा कि मुझे क्यों फिल्म से निकाल दिया गया है, कोई दिक्कत हो गई है क्या तो उन्होंने जवाब दिया, नहीं, ईमानदारी से कहूं तो रेखा जी नहीं चाहती कि आप इस फिल्म में काम करें।अरूणा ने आगे बताया कि उन्होंने बाद में रेखा से भी इस बारे में बात की। अभिनेत्रा ने कहा, ठजब मैं उनके साथ शूटिंग कर रही थी तो मैं उनसे कहा कि मुझे आपसे एक सवाल पूछना है, प्रोड्यूसर ने मुझसे कहा कि तुमने मुझे फिल्म से बाहर करवाया है, तो उन्होंने बड़ी बेबाकी से कहा- हां। अरुणा ईरानी ने आगे कहा, मैंने उससे पूछा कि तुमने ऐसा क्यों किया, तो उन्होंने कहा, देखो अरुणा, अगर फिल्म में परफॉर्मेंस थोड़ा ऊपर-नीचे होती तो मैं विलेन के रूप में उभर कर सामने आती, इसलिए मैं नहीं चाहती थी कि तुम वो रोल करो।बात को जारी रखते हुए अरुणा ने आगे कहा, मैंने उनसे कहा आप मुझे फोन कर सकती थीं या बता सकती थीं, आपने ऐसा क्यों किया, बहुत बुरी बात है। तो उन्होंने कहा, माफ करना, मैं और क्या कर सकती थी, ये मेरे करियर का सवाल था इसलिए मैं ऐसा नहीं करना चाहती थी।

नोरा फतेहा ने कराया बोल्ड फोटोशूट, फैंस ने कहा- सब लड़के पानी-पानी हो गए होंगे

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। फिल्म एक्ट्रेस नोरा फतेही ने इंस्टाग्राम पर अपनी हालिया फोटोशूट की 6 तस्वीरें शेयर की है। इसमें उन्हें रेड कलर की वन पीस ड्रेस पहन पोज देते हुए देखा जा सकता है। वह काफी

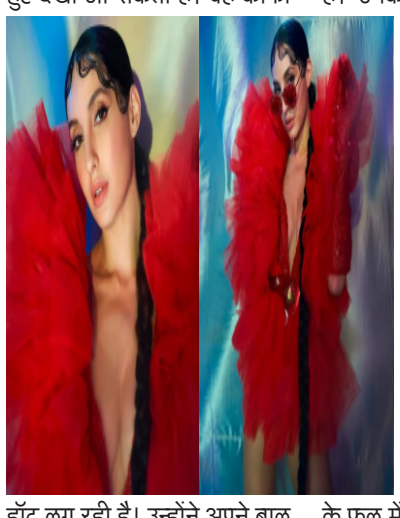

हॉट लग रही है। उन्होंने अपने बाल भी स्टाइलिश अंदाज में बना रखे हैं। उन्होंने मेकअप कर रखा है और वह काफी हॉट लग रही है। नोरा फतेही कैमरे की ओर देखकर बोल्ड पोज दे रही है नोरा फतेही की पहली तस्वीर क्लोजअप है। इसमें वह कैमरे की ओर देखकर बोल्ड पोज दे रही है। दूसरी तस्वीर में वह कहीं और देख रही है। तीसरी तस्वीर में वह फिर से कैमरे की ओर देख रही है। चौथी तस्वीर में उन्होंने एक लाल कलर का चश्मा पहन रखा है। पांचवी तस्वीर में वह चश्मा नीचे करके कैमरे की ओर देख रही है। छठवीं फोटो में वह कहीं और देख रही है।नोरा फतेही ने तस्वीरें शेयर करते हुए इसे कई लोगों को टैग भी किया है। उनकी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर वायरल हो गई है। इसे 6 घंटे में 5 लाख से ज्यादा लाइक्स मिले हैं। वहीं, तस्वीरों पर 3000 से ज्यादा कमेंट किए गए हैं। एक ने लिखा है, 'आप हमेशा खूबसूरत लगते हो।' एक ने उन्हें बेहद खूबसूरत बताया है। एक ने लिखा है, 'या अल्लाह, आप बहुत हॉट लग रहे हो।' वहीं, एक ने लिखा है, 'आप क्वीन हो।' एक ने लिखा है, 'कांटों में गुलाब का फूल तो बहुत बार देखा लेकिन गुलाब के फूल में नूर के दर्शन आज हुए।' वहीं एक ने लिखा है, 'सब लड़के तो पानी-पानी हो गए होंगे आपको देखकर।' एक ने लिखा है, 'किलर लुक।नोरा फतेही फिल्म एक्ट्रेस है। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है। वह कई म्यूजिक वीडियो में भी नजर आ चुकी है। उन्होंने हाल ही में हुए फीफा वर्ल्ड कप के ओपनिंग सेरेमनी में भी परफॉर्म किया था। नोरा फतेही जल्द अक्षय कुमार के साथ मार्च 2023 में नॉर्थ अमेरिका में टूर पर भी जाने वाली है।

आमिर संग डेटिंग की अफवाहों के बाद आमिर अली ने एक्ट्रेस के लिए लिखा पोस्ट, किया बर्थडे विश

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। शमिता शेट्टी कुछ दिनों से टीवी एक्टर आमिर अली संग अपनी डेटिंग की खबरों को लेकर

सुर्खियां बटोर रही हैं। अब दोनों एक बार फिर लाइम लाइट में आ गए हैं। शमिता आज यानी 2 फरवरी का अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। ऐसे में आमिर अली ने अपनी बेहद क्लोज फ्रेंड के लिए एक पोस्ट शेयर किया है।' आमिर ने शमिता के लिए लिखा पोस्ट शमिता शेट्टी को विश करने के लिए आमिर अली ने अपने इंस्टा स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की है। फोटो में दोनों किसी चीज को हैरानी से देख रहे हैं। पोस्ट के साथ आमिर ने विश करते हुए एक्ट्रेस के लिए लिखा, ठबर्थडे गर्ल तुम किसे घूर रही हो। हैप्पी बर्थडे बाबा। आमिर के इस बर्थडे विश पर रिएक्ट करते हुए शमिता ने भी इसे अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर किया और शुक्रिया कहा।आमिर अली और शमिता की डेटिंग की अफवाह उस वक्त मीडिया में छा गई जब दोनों एक साथ पार्टी से बाहर आते हुए स्पॉट हुए। आमिर ने एक्ट्रेस को उनकी कार तक छोड़ा और फिर उनके गालों पर किस किया। दोना का ये वीडियो जैसे ही सामने आया सोशल मीडिया पर इनकी डेटिंग खबरों ने जोर पकड़ लिया। हालांकि, दोनों ने बाद में सोशल मीडिया पर आकर डेटिंग की बात से इंकार किया। आमिर अली ने बीते दिन ट्विटर पर एक वीडियो शेयर किया और शमिता का नाम लिए बिना पूरे मामले पर बात की। एक्टर ने कहा, हाय मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं क्या कहूं। मेरी मां ने हमेशा मुझे एक जेंटलमैन बनने की सीख दी है। जब भी मेरे घर पर कोई आता है तो मैं उन्हें दरवाजे तक छोड़ने जरूर जाता हूं, चाहे वो कोई भी हो। मेरी एक दोस्त वहां पर थीं और मैं कार तक छोड़ने उनके पीछे गया। मैं बस दोस्त होने का फर्ज अदा कर रहा था और इस कुछ और समझ लिया गया।

कृति सेनन के पीछ कार्तिक आर्यन ने लगाई दौड़, रिलीज हुआ शहजादा का नया गाना

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। कार्तिक आर्यन और कृति सेनन की फिल्म शहजादा कुछ ही हफ्तों में रिलीज होने वाली है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर सामने आया था, जिसे लोगों की तरफ से अच्छा रिएक्शन मिला था। वहीं, अब शहजादा का नया गाना मेरे सवाल का जारी कर दिया गया है। सॉन्ग में कार्तिक, कृति के पीछे दौड़ लगाते हुए नजर आ रहे हैं। पोस्टपोन हुई रिलीज डेट शहजादा की हाल ही में रिलीज डेट पोस्टपोन की गई थी। ऐसा माना जा रहा था कि मेकर्स ने ये फैसला पठान की सफलता के बाद लिया है क्योंकि वो अपनी फिल्म को लेकर बॉक्स ऑफिस पर किसी तरह का टकराव नहीं चाहते। हालांकि, मेकर्स शहजादा को लेकर पूरी तरह कॉन्फिडेंट हैं और फिल्म से जुड़ी सभी अपडेट शेयर कर रहे हैं। अब शहजादा का दूसरा गाना भी

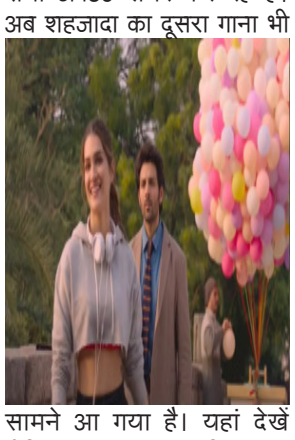

सामने आ गया है। यहां देखें वीडियो, शहजादा को रोहित धवन ने डायरेक्ट किया है। वहीं फिल्म के प्रोडक्शन की जिम्मेदारी भूषण कुमार, अल्लू अरविंद और अमन गिल ने ली है। शहजादा साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म अला वैकुंठप्रेमुलु' का बॉलीवुड रीमेक है। ओरिजिनल फिल्म में अल्लू के साथ पूजा हेगड़े लीड रोल में थी। शहजादा 17 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पहले ये फिल्म 10 फरवरी को रिलीज होने वाली थी। कार्तिक आर्यन के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनके पास कई सारे प्रोजेक्ट्स हैं। फिल्म शहजादा के अलावा उनके पास साजिद नाडियाडवाला की फिल्म सत्यप्रेम की कथा भी है, इस फिल्म में वे एक बार फिर कियारा आडवाणी के साथ नजर आएंगे। कार्तिक के पास हंसल मेहता की फिल्म कैप्टन इंडिया और कबीर खान की एक अनटाइटल्ड फिल्म भी कार्तिक के खाते में हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।